Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 137 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 16 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जहां हिंसा है वहां धर्म नहीं जहां असत्य है वहां धर्म नहीं।

Where there are violence and falsehood there is no religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पोरबंदर के समंदर में 700 करोड़ रुपए से अधिक की ड्रग्स जब्त

पोरबंदर (आरएनएस)। भारतीय कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने शुक्रवार को गुजरात के पोरबंदर तट से करीब 500 किलो ड्रग्स की जब्ती की है। इस ड्रग्स की कीमत 700 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। यह कार्रवाई गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को विशेष ऑपरेशन के तहत की गई, जिसमें दिल्ली एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) की खुफिया जानकारी की मदद ली गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, दिल्ली एनसीबी को इस ड्रग्स के बारे में पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई थी, जिसके बाद गुजरात एनसीबी, कोस्ट गार्ड और भारतीय नौसेना ने मिलकर इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया। सूत्रों ने बताया कि ड्रग्स से भरी बोट को पोरबंदर तट पर लाया जा रहा है, और जल्द ही इस मामले की विस्तृत जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साझा की जाएगी।

झारखंड में प्रधानमंत्री मोदी के विमान में आई तकनीकी खराबी

रांची (आरएनएस)। झारखंड से इस समय बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां चुनावी रैली के लिए पहुंचे पीएम मोदी के विमान में तकनीकी खराबी आ गई। जिस कारण विमान को देवघर हवाई अड्डे पर ही रोकना पड़ा। हालांकि इससे पहले पीएम मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6600 करोड़ की लागत वाली कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

रायपुर/बिहार (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के अवसर पर देश के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी सुविधाओं के विकास एवं विस्तार वाली 6600 करोड़ की लागत वाली कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने देश के जनजातीय इलाकों और जनजाति समुदाय के कल्याण के लिए पांच गुना बजट खर्च कर रहे हैं। दस साल पहले इसका बजट मात्र 25,000 करोड़ रूपए हुआ करता था, जो अब बढ़कर 1,25,000 करोड़ रूपए हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा- हमने देश के जनजातीय इलाकों और जनजाति समुदाय के कल्याण के लिए पांच गुना बजट खर्च कर रहे हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज बिहार के जमुई में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्ष के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। जमुई में आयोजित इस कार्यक्रम का लाईव प्रसारण पूरे देश में हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमने इतिहास के एक बहुत बड़े अन्याय को दूर करने का एक ईमानदार प्रयास किया है। इतिहास में आदिवासी समाज के लोगों को वह स्थान नहीं मिला, जिसके वह अधिकारी थे। आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार को मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम बना दिया। इस समाज ने देश की संस्कृति और परंपरा का मान बढ़ाया है। आज़ादी की लड़ाई में अंग्रेजों से लोहा लिया है। अपनी अस्मिता, संस्कृति, और स्वाधीनता के लिए जनजातीय समुदाय के हजारों नायकों ने अपने प्राण न्यौछावर किए। देश की आजादी की लड़ाई में हजारों आदिवासी भाइयो-बहनों को मौत के घाट उतार दिया गया था, उनके योगदानों को हम नहीं भुला सकते। हमने जनजातीय समुदाय के गौरव को बढ़ाने का काम किया है। पीएम जनमन के तहत जितने कार्य शुरू हुए हैं, उसका श्रेय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को जाता है। जब वह झारखण्ड में थी, तब मुझसे अति पिछड़ी जनजातियों की चर्चा करती थी। हमने 24 हजार करोड़ रूपए से पीएम जनमन योजना की शुरुआत की, जिससे अति पिछड़ी जनजातियों के बस्तियों और गांवों का विकास हो रहा है। जनजातीय बाहुल्य जिलों को आकांक्षी जिला घोषित कर वहां का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया, आज वहां बदलाव दिख रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में देशवासियों को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली और गुरुनानक जी का प्रकाश पर्व भी है। आज भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती भी है, राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस भी है। आदिवासी समाज सूर्य, वायु और पेड़-पौधों, पहाड़-पर्वत को पूजने वाला समाज है। उन्होंने कहा कि जिलों में बिरसा मुंडा जनजातीय उपवन बनाए जायेंगे। हम मिलकर देश के आदिवासी समाज के विचारों को देश की प्रगति का आधार बनायेंगे। उनकी परंपरा और उनके आदर्शों को अपनाएंगे।

सीएम विष्णुदेव साय ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बैगा, गुनिया, सिरहा को दी सम्मान निधि की सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने साइंस कॉलेज मैदान में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास बहुत समृद्ध और गौरवशाली है। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय के मान, सम्मान और गौरव को बढ़ाने का काम किया है। श्री अटल जी ने जनजातीय समुदाय के कल्याण के लिए पृथक से मंत्रालय बनाया और इस समुदाय के विकास को एक नई दिशा दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं शुरू की है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 24,000 करोड़ रूपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए 80,000 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया है, जिसके चलते जनजातीय इलाकों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विकास और जनजातियों की बेहतरी के काम हो रहे हैं।

- **जनजातीय गांवों में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य के लिए अखरा निर्माण विकास की योजना होगी शुरू**
- **जनजातीय समुदाय के शहीदों की चिन्हित स्थलों पर लगेंगी प्रतिमाएं**
- **जनजातीय विद्रोह के शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन हुए सम्मानित**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्ष समारोह के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के जनजातीय समुदाय से ताल्लुक रखने वाले बैगा, गुनिया, सिरहा लोगों के लिए मुख्यमंत्री सम्मान निधि दिए जाने की घोषणा की। इसके तहत उन्हें प्रति वर्ष 5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गांवों में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य के लिए अखरा निर्माण विकास योजना शुरू करने और जनजातीय समुदाय के शहीदों की प्रतिमाएं चिन्हित स्थलों पर स्थापित किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में जनजातीय समुदाय के विभूतियों, राज्य में हुए जनजातीय विद्रोह के शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर वन अधिकार अधिनियम से संबंधित 'एटलस', कैलेण्डर 'शौर्यांजलि' तथा 'हल्बा जनजातीय की वाचिक परंपराएं' विषय पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया। इनका प्रकाशन छत्तीसगढ़ आदिम जाति विकास विभाग द्वारा किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राज्यसभा सांसद श्री अरूण सिंह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में सभी वर्गों के उत्थान और कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री साय की लोकप्रियता और विनम्रता की सराहना पूरे देश में होती है। रायपुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस एवं अंतर्राज्यीय नृत्य महोत्सव समारोह में आकर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का दर्शन हुआ है। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के इस विशेष आयोजन के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बधाई दी। उन्होंने इस मौके पर कहा कि वही देश और समाज जागृत रहता है, जो अपनी संस्कृति और अपने महापुरूषों को याद रखता है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री साय, आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम, राज्यसभा सांसद श्री अरूण सिंह, विधायकगण, अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को न सिर्फ सुना, बल्कि वर्चुअल रूप से उसका हिस्सा भी बना।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए चिंता की है: रामविचार नेताम

आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए चिंता की है। उन्होंने इस समुदाय के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से छत्तीसगढ़ के साढे छह हजार गांवों और ग्रामीणों का समग्र विकास होगा। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय समुदाय के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।

इस अवसर पर विधायक सर्वश्री मोती लाल साहू, श्री अनुज शर्मा, श्री पुरंदर मिश्रा, पूर्व मंत्री श्री महेश गागड़ा, पूर्व विधायक श्री उमेश कच्छप सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जनजातीय समाज के पदाधिकारी, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, आयुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकण उपस्थित थे।

दुश्मन देशों की नींद उड़ी : भारत ने पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का किया सफल परीक्षण

फ्रांस ने भी दिखाई खरीदने में रुचि

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने पिनाक हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन परीक्षणों के दौरान राकेटों के व्यापक परीक्षण के माध्यम से 'प्रोविजनल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट यानी पीएसक्यूआर के मापदंडों, जैसे कि रेंजिंग, सटीकता, स्थिरता और सैल्वो मोड (सैल्वो तोपखाने या आग्नेयास्त्रों का एक साथ इस्तेमाल है, इसमें लक्ष्य को भेदने के लिए तोपों से गोलीबारी शामिल है) में कई लक्ष्यों पर निशाना साधने की दर का आकलन किया गया है।

बयान में आगे कहा गया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पीएसक्यूआर वेलिडेशन टेस्ट के भाग के रूप में निर्देशित पिनाक हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि लांचर उत्पादन एजेंसियों द्वारा अपग्रेड किए गए दो इन-सर्विस पिनाक लांचर से कुल बारह राकेटों का परीक्षण किया गया है। पिनाक हथियार सिस्टम, दुश्मनों के लिए काल बनकर टूटेगा। इसकी मारक क्षमता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अब ये 75 किलोमीटर दूर तक 25 मीटर के दायरे में सटीक निशाना लगा सकता है। इसकी रफ्तार 1000-1200 मीटर प्रति सेकेंड है।

गुरुनानक देव जी ने दिया समतामूलक समाज के निर्माण पर जोर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाशपर्व में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के खालसा स्कूल प्रांगण में गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश पर्व में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कीर्तन दरबार में मत्था टेका और सभी छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रकाश पर्व पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि आज इस पवित्र दिन सिख समुदाय के अपने भाइयों-बहनों के बीच आकर मैं बहुत खुशी का अनुभव कर रहा हूँ। गुरु नानक देव जी का जीवन न केवल सिख समुदाय के लिए प्रेरक है अपितु सभी भारतीयों के लिए उनका जीवन प्रेरणादायी है। गुरु नानक जी के वचनों में सामाजिक एकता पर जोर दिया गया है। उन्होंने एक समतामूलक समाज के निर्माण पर जोर दिया। देश की आज़ादी में सिख समाज का बहुत बड़ा योगदान है। सिख समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली और समृद्ध है। धर्म के प्रति समर्पण और सेवा की भावना सिख समाज की अभिन्न पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जब हम गुरु गोविंदसिंह जी का जीवन देखते हैं तो हमें पता चलता है कि उनके पुत्र साहेबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी पर धर्म बदलने का दबाव आया। उन्होंने शहादत कबूल की लेकिन धर्म नहीं बदला। ऐसा इतिहास सिख समाज का रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने साहेबजादों के शहादत दिवस 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया और हर साल हम गर्व के साथ यह दिन मनाते हैं।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, श्री संजय श्रीवास्तव, श्री भूपेंद्र सवन्नी, श्री मनमोहन चावला व गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग उपस्थित थे।

नीतीश ने मोदी को फिर दिया भरोसा, हमलोग कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे

जमुई (आरएनएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एकबार फिर से भरोसा दिलाया कि हमलोग अब कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे, साथ रहेंगे। जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बार-बार अपनी गलती स्वीकार कर रहे थे, तब मंच पर बैठे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुस्कुरा रहे थे।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को बिहार के जमुई पहुंचे और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने 6,640 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास का तोहफा लोगों को दिया। इस दौरान मंच पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उपस्थित रहे। नीतीश कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि हम लोग सब दिन के लिए इनके (भाजपा) साथ रहेंगे। उन्होंने कहा, बीच में गलती हुई, बीच में गलती कर दिया हम ही लोगों के यहां का कुछ लोग, गलती करवा दिया।

भव्य वेदी शिलान्यास

17 नवंबर 2024, रविवार

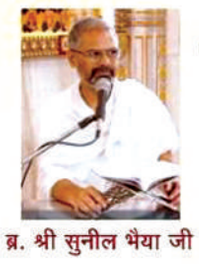

ब्र. श्री सुनील भैया जी

पं. श्री अजीत शास्त्री जी

जय जिनेन्द्र

आप सभी को आमंत्रित करते हुए बड़ा ही हर्ष हो रहा है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर मे अशोका रत्न में हम सभी के पुण्योदय से 1008 भगवान श्री शान्तिनाथ जी का जिन चैत्यालय में भव्य वेदी शिलान्यास दिनांक 17.11.2024 को होने जा रहा है, जिसकी नींव संत शिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के साक्षात् कर कमलों के द्वारा रखी गयी थी।

वेदी शिलान्यास दिवस पर आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महामुनिराज जी का आचार्य पदारोहण दिवस भी मनाने का सौभाग्य होगा।

जिन चैत्यालय के वेदी का शिलान्यास जो आदरणीय ब्रह्मचारी सुनील भैया जी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्थानीय पंडित श्री अजित शास्त्री जी के विधि विधान मे संपन्न होने जा रहा है।

17 नवंबर 2024, रविवार

समस्त कार्यक्रम प्रातः 7.30 बजे प्रारम्भ होंगे

कार्यक्रम स्थान : अशोका रतन, खम्हारडीह, शंकर नगर, रायपुर

कार्यक्रम विवरण :

(1) सर्व विघ्नहर्ता भक्तामर विधान (2) वेदी शिलान्यास कार्यक्रम

(3) आचार्य गुरुवर विद्या सागर जी महामुनिराज जी का पदारोहण कार्यक्रम।

कार्यक्रम पश्चात् उपस्थित सभी जनों का वात्सल्य भोज।

निवेदक :- भगवान श्री शान्तिनाथ भक्त परिवार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरु नानक जयंती पर देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गज नेताओं ने देशवासियों को गुरु नानक जयंती पर बधाई दी है। हर साल कार्तिक पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनायी जाती है। इसको गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस बार गुरु नानक देव की 555वीं जयंती मनाई जा रही है। तमाम बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से देशवासियों को गुरु नानक जयंती की शुभकामनाएं दी। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक्स' पर लिखा, गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर, मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों, विशेष रूप से सिख समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई देती हूं।

राजधानी रायपुर में मुलनायक के रूप में भगवान शान्तिनाथ जी का प्रथम दिगम्बर जिन चैत्यालय का वेदी शिलान्यास का कार्यक्रम अशोका रतन शंकर नगर में

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर मे दिगम्बर जैन समाज के द्वारा सर्वप्रथम 1008 भगवान शान्तिनाथ जी का मंदिर (चैत्यालय) अशोका रतन शंकर नगर रायपुर मे निर्माणाधीन है, अशोका रतन मे रहने वाले जैन परिवार अपने बुजुर्ग व बच्चों को नित्यप्रतिदिन देव दर्शन सुलभता से उपलब्ध करवाने अपनी ही सोसाइटी मे सभी के तन मन व धन के सहयोग से एक जिन चैत्यालय का निर्माण करवाने का विचार किया और वो विचार लगभग निर्माण के सम्पन्नता की ओर है, इसके निर्माण की महती जिम्मेदारी समाज के श्री मनीष जैन बिलासपुर वालों को दी, सबसे बड़ी व पुण्योदय की बात ये है कि आज के धरती के भगवान संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 विद्यासागर जी महामुनिराज ने समाधीस्थ होने के पूर्व इस मन्दिरजी का भूमिपूजन अपने ही पावन व अतिशयकारी कर कमलों से किया था, निश्चित ही ये मंदिर जैन समाज के अलावा जैनेत्तर समाज के लिए भी सुख शांति प्रदायक सिद्ध होगा।

एक विशेषता यह भी है कि रायपुर मे प्रथम पीले पाषाणों से निर्मित यह जिन चैत्यालय है इसकी भव्यता अलग ही शोभायमान है, मन्दिरजी के सम्पूर्ण निर्माण होने पर श्री जी की प्रतिमाओं को आगामी शुभ मुहर्त व शुभ स्थान पर पंच कल्याणक करवा कर वेदी प्रतिष्ठा के माध्यम से विराजमान की जाएगी। रविवार दिनांक 17 नवंबर 2024 को प्रात: 7:30 बजे से वेदी जिसमे जिन प्रतिमाओं को विराजमान किया जाना है उस वेदी का शिलान्यास का कार्यक्रम आगमानुसार जीवन जीने वाले आदरणीय ब्रह्मचारी सुनील भैया जी के मार्गदर्शन मे अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान् पंडित अजित शास्त्री जी के द्वारा विधिविधान से संपन्न होना है, इस अवसर पर सर्वविघ्नहर्ता भक्तामर विधान, वेदी शिलान्यास पूजन व जिन आचार्य के चरण कमल व हाथों से इसकी नींव रखी गयी पुण्योदय से उस दिन आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज का आचार्य पदारोहण दिवस भी है, कार्यक्रम मे पदारोहण कार्यक्रम भी मनाया जायेगा।

भगवान श्री शान्तिनाथ भक्त परिवार अशोका रतन निवासी परिवारों ने इस पावन अवसर पर रायपुर के सभी मंदिरों मे स्वयं जाकर उनके पदाधिकारी व सदस्यों को निमंत्रित किया व सम्पूर्ण कार्यक्रम मे सहभागिता हेतु निवेदन किया। उक्त जानकारी भगवान श्री शान्तिनाथ भक्त परिवार के सदस्यों ने दी। -**अरविंद जैन**

संक्षिप्त समाचार

प्रान्तीय अखण्ड ब्राह्मण समाज ने की महाआरती और दीपदान

रायपुर (विश्व परिवार)। कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर महादेव घाट रायपुर में श्रीमती भारती किरण शर्मा प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति एवं प्रदेश संयोजक पंडित मेघराज तिवारी जी के निर्देशन में दीप-दान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पं.मेघराज तिवारी, पंडित हेमलाल शर्मा जी के द्वारा विधि विधान द्वारा पूजन कर महाआरती की गई जिसमें ईश्वर प्रसाद शर्मा, प्रीति शुक्ला, पूर्णिमा तिवारी, सरिता तरुण शर्मा, नेहा शर्मा, शजिन्ता शुक्ला, किरण लता पाठक, पूर्णिमा दुबे यश महराज, व संगठन के समर्पित सदस्यों, पदाधिकारियों द्वारा 101 दीप जलाकर पूजा अर्चना कर नदी में दीप प्रज्जलन कर प्रवाहित किया गया व मंगलकामनाएं की गयी, साथ ही सर्व समाज के समृद्ध, दीर्घायु, व यशस्वी होने की की कामना की गयी।

झीरम घाटी हत्याकांड में शामिल 20 लाख की इनामी महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी हत्याकांड में शामिल 20 लाख की इनामी नक्सली मंजुला उर्फ निर्मला ने तेलंगाना के वारंगल में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। मंजुला ने वारंगल में पुलिस कमिश्नर के पास जाकर आत्मसमर्पण किया। वह कुख्यात नक्सली नेता कोडी कुमार स्वामी उर्फ आनंद और कोडी वेंकन्ना उर्फ गोपन्ना की बहन है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमिटी, साउथ सब डिवीजन ब्यूरो की सदस्य थी है। मंजुला 1994 में माओवादी संगठन से जुड़ी थी और 15 नवंबर 2024 को उसने आत्मसमर्पण किया। झीरम घाटी की यह घटना 25 मई 2013 की है, जिसे छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड माना जाता है। इस हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नंदकुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार समेत 30 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद भाजपा और कांग्रेस, दोनों के शासनकाल में जांच का प्रयास जारी रहा, लेकिन अब तक इसके पीछे के अपराधियों और कारणों का पूर्ण खुलासा नहीं हो सका है।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर हुई मां खारुन गंगा महाआरती

रायपुर (विश्व परिवार)। उमड़ा जन सैलाब माँ खारून गंगा महाआरती जन सेवा समिति और करणी सेना के तत्वावधान में आज नवंबर को पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां खारुन गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। इस विशेष आरती का आयोजन पिछले दो वर्षों से नदियों और पर्यावरण के संरक्षण के उद्देश्य से किया जा रहा है, और अब यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम बन गया है। माँ खारून गंगा महाआरती, जो पिछले दो वर्षों से महादेव घाट पर निरंतर आयोजित की जा रही है, नदियों और पर्यावरण के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुकी है। खारून नदी, जिसे पहले सिर्फ एक साधारण नदी के रूप में देखा जाता था, गंगा आरती के आरंभ के बाद अब श्रद्धालुओं द्वारा मां खारून के रूप में पूजा की जा रही है। इस परिवर्तन का श्रेय माँ खारून गंगा महाआरती जन सेवा समिति और करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह तोमर जी के अथक प्रयासों को जाता है। खारुन गंगा आरती का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों में नदियों के प्रति आस्था और जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस धार्मिक आयोजन ने समाज में खारून नदी के प्रति गहरी श्रद्धा और जिम्मेदारी का भाव पैदा किया है, और लोग अब इसे एक पूजनीय नदी के रूप में देख रहे हैं। पूर्णिमा में प्रदेश के मुख्यमंत्री समेत कई प्रमुख चेहरे भी शामिल होते हैं। पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री स्वयं खारून नदी में डुबकी लगाते हैं, जिससे प्रदेश में एक सकारात्मक संदेश जाता है और लोग पुण्य के भागी बनने के लिए प्रेरित होते हैं। मां खारुन गंगा महाआरती न केवल एक धार्मिक आयोजन है बल्कि एक सामाजिक और पर्यावरणीय आंदोलन भी है, जो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और संरक्षित नदी का उपहार देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

रायपुर (विश्व परिवार)। धरती आबा वीर जल, जंगल, जमीन के रक्षक भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिन 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर 13 से 15 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन साइंस कॉलेज मैदान में आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर द्वारा साइंस कॉलेज मैदान में किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नगद राशि और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक क्षमता का पता लगाने और अद्वितीय विचारों को प्रोत्साहित करना है। जब बच्चे ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, तो उन्हें विभिन्न प्रकार के विषयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो उनकी कल्पना और रचनात्मकता को चुनौती देते हैं। नियमों या दिशा-निर्देशों से सीमित न होकर अपनी सोंच को चित्रकला के माध्यम से बच्चे अपनी कलात्मक क्षमताओं को विकसित कर सकते हैं और अपनी अनूठी शैली और अभिव्यक्ति की खोज कर सकते हैं। ड्राइंग प्रतियोगिताएँ बच्चों को अन्य युवा कलाकारों के साथ बातचीत करने, अपने विचार साझा करने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर प्रदान करके सामाजिक कौशल को बढ़ावा दे सकती हैं। ऐसी प्रतियोगिताएँ समुदाय, टीमवर्क और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है, जो बच्चों को उनके सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद कर सकती है।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर तीन दिवसीय राज्य स्तर पर आयोजित जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता के लिए चार वर्ग में विभाजित कर प्रतियोगिता कराई गई। प्रथम वर्ग 12 से 18 वर्ष तक की आयु के प्रतिभागियों के लिए 13 नवंबर को आयोजित चित्र कला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कांकेर के श्री डेलियंश पद्दा को 10 हजार रूपए और प्रमाण पत्र प्रदान कर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। इसी प्रकार द्वितीय पुरस्कार सुकमा के श्री हरीश कुमार को 8 हजार रूपए और तृतीय पुरस्कार गरियाबंद के चन्द्र कुमारी नागेश को 5 हजार रूपए और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार 14 नवंबर को आयोजित 12 से 18 वर्ष तक की आयु के जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागियों में प्रथम पुरस्कार बालोद के दिव्यांशु को 10 हजार रूपए और प्रमाण पत्र प्रदान कर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। इसी प्रकार तृतीय पुरस्कार बीजापुर के श्री डालजीव कोरेटी को 5 हजार रूपए और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता के 18 से 30 वर्ष तक की आयु वर्ग के प्रतिभागियों में प्रथम पुरस्कार धमतरी के श्री अवध राम कंवर को 20 हजार रूपए और प्रमाण पत्र प्रदान कर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया।

तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 17 नवम्बर से स्वर्ग रथ एवं फ्रीजर का करने जा रही संचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी, शिवानन्द नगर का स्थापना वर्ष 2012 में हुआ जिसका पंजीकरण संख्या 23449 है। तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रति वर्ष वृक्षरोपन किया जाता है हर वर्ष मकर संक्रात्रि उत्सव मनाया जाता है जिसमे गरीब और जरुरत मंद बच्चो को मुफ्त शिक्षा प्रदान किया जाता है और होनहार बच्चों को प्रोत्साहित किया जाता है। मार्च 2024 से तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी सर्वसमिति से नयी कार्यकारिणी की घोषणा की गयी जिसमे टी. गोपी जी को अध्यक्ष, के सत्या बाबु को सचिव एवं कोषाध्यक्ष एस दिनकर को बनाया गया नयी कार्यकारिणी के घटन के बाद तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा प्याऊ का संचालन किया गया, लोकसभा चुनाव के समय मतदान जागरूकता अभियान चलाया गया, तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी के सम्मानिय सदस्य वी आर एल राव के द्वारा तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी को एम्बुलेंस प्रदान किया गया जिसे तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी ने संचालन के लिए बढ़ते कदम को दिए तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धार्मिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया जिसमे अलग अलग समाज से 120 श्रदालुओ को बाबा महाकाल उज्जैन का दर्शन करवाया गया। यह बढे गर्व की बात है की 17 नवम्बर 2024 को तेलुगु वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा स्वर्ग रथ एवं फ्रीजर का संचालन करने जा रही है स्वर्ग रथ का लोकार्पण मे मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा संसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, माननीय रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मुणत जी, माननीय रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्र जी, माननीय रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू जी के कर कमलो से स्वर्ग रथ एवं फ्रीजर का लोकार्पण किया जायेगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा जिला की उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था।

जनजाति गौरव दिवस : कमार परिवारों का पक्के आवास का सपना हो रहा पूरा

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने भगवंतीन कमार को नए आवास में कराया गृह प्रवेश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में पी.एम. जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों तक तेजी से बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही है। जनजाति गौरव दिवस के मौके पर नया घर मिलने पर विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग से ताल्लुक रखने वाली श्रीमती भगवंतीन कमार बहुत खुश है। आज उनका पक्के घर का सपना पूरा हुआ। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने आज उन्हें गृह प्रवेश कराया।

जनजाति गौरव दिवस के मौके पर श्रीमती भगवंतीन कमार ने घास-फूस की झोपड़ी की जगह पक्का घर मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार जताया। राजस्व मंत्री और जिले प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने मसानडबरा के कमार बस्ती पहुंचे थे। उन्होंने वहां पी.एम. जनमन योजना के तहत बनाये जा रहे आवासों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जल्द आवास पूर्ण कराने के निर्देश दिये। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने वहां कमार परिवारों से भी चर्चा की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में जनजाति परिवारों को मुख्य धारा मे जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे है। पिछड़ी जनजातियों की बस्तियों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं का भी लाभ दिलाया जा रहा है। इस मौके पर विधायक श्रीमती पिंकी शिवराज शाह भी उपस्थित थी। गौरतलब है कि विशेष जनजाति परिवारों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए चलाई जा रही पी.एम. जनमन में पक्का आवास, सड़क, बिजली, नल जैसी बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही है।

छत्तीसगढ़ शासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का किया शुभारंभ

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्र के हितग्राही सर्वेक्षण (रैपिड एसेसमेंट सर्वे) कार्य का शुभारंभ नगरीय प्रशासन मंत्री माननीय श्री अरूण साव जी उपमुख्यमंत्री एवं भारसाधक मंत्री के द्वारा जिला मुख्यालय मुंगेली में किया जा रहा है। सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक ही स्थान से किये जा रहे कार्य का शुभारंभ सर्वेक्षण कार्य प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए नगरीय निकाय नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार में स्थानीय सर्वसमाज मांगलिक भवन में आयोजित आदिवासी समाज शौर्य दिवस के अवसर पर उपस्थित रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी की उपस्थिति में नगर पालिका द्वारा लगाये गये शिविर में सर्वेक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल के द्वारा प्रधानमंत्री आवास के संबंध में नगर पालिका द्वारा लगाये गये सर्वेक्षण शिविर की जानकारी देते हुए हितग्राहियो को अधिक से अधिक लाभान्वित किये जाने एवं आवास योजना में ऑनलाईन आवेदन किये जाने की जानकारी दी गयी। शिविर निरीक्षण के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े, विजय केशरवानी, आलोक अग्रवाल, पार्षद रोहित साहू, अमितेष नेताम, राहुल सोनी, कृष्णा अवस्थी, टेसूलाल धुरंधर, अशोक जैन सहित नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी खिरोद्र भोई, उपअभियंता विनोद यादव, योजना प्रभारी मुकेश लहरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

एम्स रायपुर में युवोत्सव ओरियाना-2024 का भव्य शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर में बहुप्रतीक्षित वार्षिक युवा उत्सव, ओरियाना 2024, जोश और उमंग के साथ शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक और सीईओ, लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) अशोक जिंदल ने दीप प्रज्वलन कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि ओरियाना 2024 न केवल छात्रों की प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है, बल्कि उनके व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए एक प्रेरणादायक स्थान भी है। यह उत्सव छात्रों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है, जो उनके भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता की कामना की और साथ ही बहुप्रतीक्षित स्टूडेंट मैगज़ीनऔरस्मारिका पुस्तिकाका विमोचन भी किया।

चार दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए राज्य भर के मेडिकल छात्रों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को एक साथ लाया जाएगा। कार्यक्रमों में नृत्य और संगीत प्रतियोगिताएं, कला सृजन, पेंटिंग, रंगोली, कविता पाठ, क्विज़, खेलकूद और अन्य रोमांचक गतिविधियां शामिल हैं। हर शाम बॉलीवुड, संगीत और कला की दुनिया के जाने-माने कलाकारों द्वारा विशेष प्रदर्शन किए जाएंगे। 14 नवंबर को इस महोत्सव की शुरुआत कॉलेज केम्यूजिक और ड्रामा क्लबद्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति से हुई। इसके बाद मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियनप्रणीत मोरेने हास्य के रंग बिखेरे औरसबाली बैंडने संगीतमय प्रस्तुति दी। 15 नवंबर कोए ला मोडफैशन शो आयोजित होगा, जिसमें डीजे क्रिस्पीअपनी शानदार धुनों से समां बांधेंगे। 16 और 17 नवंबर को मशहूर गायकअमित त्रिवेदीऔरमिथूनअपने लाइव संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। ओरियाना समिति की अध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) सरिता अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ओरियाना 2024 छात्रों के समग्र विकास पर केंद्रित है और यह अनुशासन और आनंद के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./14938/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 15-11-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 14938
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653F00202** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GOVT. NAZUL SABIA ANSARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MD. SARFARAZ ANSARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAMEE RAZA** पिता/पति श्री/श्रीमती **IRFAN RAZA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA & SHAPATH PATRA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./15493/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 15-11-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15493
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653F00051** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GOVT. NAZUL SHYAMU BIJHEKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAMAYA DAS BIJHEKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद युसूफ** पिता/पति श्री/श्रीमती **स्व. मोहम्मद युनूस** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA & SHAPATH PATRA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 534 दिनांक 15.11.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 28 मांग **पंजी क्र. 715 युआईडी 26393** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अतिउल्ला अंसारी / बदरूद्दीन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मोहम्मद अमन अंसारी/ अतिउल्लाह अंसारी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **15-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 532 दिनांक 15.11.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 28 मांग **पंजी क्र. 632 युआईडी 26311** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अतिउल्ला अंसारी / बदरूद्दीन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मोहम्मद अमन अंसारी/ अतिउल्लाह अंसारी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **15-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 533 दिनांक 15.11.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 28 मांग **पंजी क्र. 116 युआईडी 25773** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अतिउल्ला अंसारी / बदरूद्दीन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मोहम्मद अमन अंसारी/ अतिउल्लाह अंसारी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **15-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15751/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 15-11-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15751
वार्ड का नाम-43-महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR662L0056C** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती GAURI MOKASDAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR MOKASADAR** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती SWASTI SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR. SURENDRA KUMAR SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15752/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 15-11-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15752
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567K00658** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SUROOJ BHOI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SOHAN BHOI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती HARISH KUMAR VISHWAKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHATUR RAM VISHWAKARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15750/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 15-11-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 15750
वार्ड का नाम-43-महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR662L0056A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती GAURI MOKASDAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR MOKASADAR** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती SWASTI SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR. SURENDRA KUMAR SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 16 नवंबर 2024

जनजातीय गौरव दिवस पर मंत्री सहित कमिश्नर एवं कलेक्टर ने जनजातीय लोगों को भारत संस्कृति की गौरव बताया

जनजातीय समाज है छत्तीसगढ़ राज्य का धरोहर- प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)– खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री एवं सूरजपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी की अध्यक्षता में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा और अन्य देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान करना है। इस आयोजित समारोह में लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में जमुई बिहार में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के इस अवसर पर विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला पोर्ते, अध्यक्ष जिला पंचायत राजकुमारी मरावी, अध्यक्ष नगर पालिका सूरजपुर श्री के के अग्रवाल,पूर्व गृहमंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री रामसेवक पैकरा, डीएफओ श्री पंकज कमल, जिलापंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू , अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित जिला स्तरीय अधिकारी, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री राजेश महलवाला, श्री संत सिंह , श्री शंकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण , जनजातीय गौरव समाज के अध्यक्ष श्री इंद्र भगत, श्री दिनेश सिंह गोंड समाज के अध्यक्ष और जनजातीय महिला समाज की अध्यक्ष पुष्पा सिंह उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए लोगों को जनजातीय गौरव दिवस और गुरुनानक जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दी।

मंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करके जनजातीय समुदाय का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने जनजातीय समाज की उत्थान के लिए 6600 करोड़ की राशि जारी करने पर बहुत बहुत धन्यवाद दिया ।उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी ने मातृभूमि के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उन्होंने बड़ी संख्या में आए जनजातीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए जनजातीय समाज को छत्तीसगढ़ का धरोहर बताते हुए इसके निरंतर विकास की बात कही। उन्होंने कहा जनजातीय समाज की अपनी एक अलग पहचान है । उसका रहन सहन संस्कृति अपने आप में प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन कला, संस्कृति, परंपरा और देश की रक्षा के लिए प्राणों का न्यौछावर करने वाले जनजातीय समाज के महापुरूषों को नमन करने का अवसर है। यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है ।जनजातीय समाज के उत्थान और विकास से ही हमारे राज्य का विकास संभव है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों के कल्याण की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी से प्रेरणा लेकर समाज आगे बढ़े। इस अवसर पर उन्होंने शानदार मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को 25 हजार, आत्मानंद विद्यालय सूरजपुर के विद्यार्थियों के 25 हजार और शिक्षा परिसर सूरजपुर के विद्यार्थियों को 50 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जनजातीय वर्ग का समाज के विकास में योगदान को बताया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिरसा मुंडा के नाम से विशेष ग्राम सभा का आयोजन भी किया जा रहा है। रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा जैसे वीर जनजातीय नायकों ने समाज के विकास में और अत्याचार के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी है उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए । उन्होंने जनजातीय समाज को कहा कि आप सभी बेहतर से बेहतर शिक्षा लें और समाज के विकास में अपना योगदान दे।

संभागायुक्त श्री जी आर चुरेंद्र ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनजातीय समाज के इतिहास के वीर नायकों से सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष के सभी जनजातीय लोगों का यह संदेश रहा है कि पूरा विश्व हमारा परिवार है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज से प्रेरणा लेते हुए हमें कर्म ही धर्म है और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को आत्मसात करना चाहिए। जनजातीय समाज की जीवन शैली से हमें सीखना होगा तभी हम आज के भाग दौड़ भरे जीवन में बेहतर रूप में जीवन यापन कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय वीर नायकों द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलन और देश की स्वतंत्रता एवम विकास में जनजातीय समाज के योगदान का सम्मान करना है। उन्होंने सरगुजा संभाग के वीर जनजातीय नायकों राजमोहिनी देवी एवम गहिरा गुरु के समाज के विकास में योगदान को याद करते हुए उनका अनुकरण करने के लिए कहा।

जनजातीय गौरव समाज के अध्यक्ष श्री इंद्र भगत ने भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय वीर नायकों के जीवन संघर्ष से परिचय कराते हुए जनजातीय समाज को उनका अनसरण करने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि सरगुजा क्षेत्र में कई आदिवासी वीर नायक हुए जिन्होंने हमें गौरवान्वित किया है। उन्होंने जनजातीय समाज के इतिहास को याद करते हुए देश के विकास में दिए योगदान को याद करते हुए समाज के लोगों को देश के विकास में अपना योगदान देने की अपील की।

पूर्व गृह मंत्री राज्य शासन श्री रामसेवक पैकरा ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी । उन्होंने बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए सभी से अपील किया। उन्होंने बिरसा मुंडा के संबंध में कहते हुए बताया कि गरीब और अभाव में भी प्रतिभा का जन्म होता है। देश के आजादी के लिए लड़ाई में और ब्रिटिश अत्याचार से लड़ने में बिरसा मुंडा का अहम योगदान है। देश में हजारों वीर जनजातीय नायकों ने ब्रिटिश शासन के विरोध और उन पर हुए अत्याचार के विरोध में कई आंदोलन किए।

कार्यक्रम के इस अवसर पर विभिन्न जनजातीय समाज के प्रमुखों को समाज के विकास में योगदान देने के कारण मुख्य अतिथि श्री दयालदास बघेल द्वारा प्रोत्साहित करते हुए शाल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। साथ ही 10वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परफॉर्म करने वाले जनजातीय समाज के विद्यार्थियों को भी सम्मानित करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

धन गुरु नानक तेरा ही आसरा की अनुगूंज से गूंज उठा गुरु सिंह सभा बिश्रामपुर गुरुद्वारा

गुरु नानक देव जी की 555 वीं प्रकाश पर्व पर विविध कार्यक्रम

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)–गुरु नानक देव जी की 555 वें आगमन जन्म उत्सव प्रकाश पर्व पर सिख समाज विश्रामपुर द्वारा विविध धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस पवित्र धार्मिक आयोजन में विभिन्न समाज के लोगों ने भी बढ़ छोड़कर हिस्सा लिया तो वहीं सिख समाज के युवाओं ने लोगों की (पादुकाएं चप्पल जूते) साफ सुथरा करके विधिवत रखा और जाते समय उन्हें वापस लौटया जिसे देखकर लंगर में आने जाने वाले लोगों ने युवाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की साथ ही गुरुद्वारा कमेटी द्वारा सुंदर इस व्यवस्थित व्यवस्था को देखकर धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी का 5055 वीं जन्म उत्सव प्रकाश पर्व पर सिख समाज ने शब्द किरदार एवं गुरु का अटूट लंगर के साथ-साथ विविध आयोजन किया। समाज द्वारा विभिन्न आयोजनों में पिछले 6 नवंबर को प्रभात फेरी, 12 नवंबर को नगर कीर्तन शोभा यात्रा निकल गई जिसमें गुरुओं का पवित्र वाणी गुरु ग्रंथ साहिब जी का शोभा रथ निकली गई जो विश्रामपुर के विभिन्न कॉलोनीयो एवं मुख्य मार्गो से शब्द कीर्तन के साथ बजे बजे के साथ निकली जिसमें विश्रामपुर, सूरजपुर ,भटगांव के लोगो ने संगत की । इस दौरान साईं सेवा समिति ,अय्यप्पा सेवा समिति ,उत्कल समाज, नगर के व्यापारीयो ने जगह-जगह भजन कीर्तन में सम्मिलित होने वाले लोगों के ऊपर पुष्प बारिश कर आत्मीय स्वागत किया। 13 नवंबर को निशान साहब की सेवा की गई। 14 को गुरुद्वारा में शबद कीर्तन तथा दिन भर गुरु का लंगर निरंतर जारी रहा ।आज 15 नवम्बर प्रकाश पर्व पर गुरु का अटूट लंगर निरंतर जारी रहा। प्रकाश पर्व पर शोभायात्रा में पांच प्यारों में एकजोत सिंह, बलजीत सिंह ,यश सिंह, प्रिंस सिंह, रिंकू सिंह शामिल थे। पंच प्यारो को लोगों ने विशेष तौर पर पुष्प हार एवं पुष्प बारिश कर आत्मीय स्वागत किया ।आज गुरु सिंह सभा में सिख समाज की अतिरिक्त हिंदू समाज के लोगों ने लंगर में सम्मिलित हुए। इस पूरे आयोजन को निष्पादन एवं संचालन में गुरु सिंह सभा गुरु द्वारा कमेटी के संरक्षक सुरजीत सिंह चावला ,गुरु दयाल सिंह, हरजीत सिंह ,अध्यक्ष हरीश पाल सिंह ,पूर्व अध्यक्ष रणवीर सिंह भामरा, सचिव सविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह जूनियर ,कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह सहित मुख्तार सिंह ,दलबीर सिंह, बलबीर सिंह ,सहित परमजीत सिंह पम्मे, मंजीत सिंह भामरा, राजा सिंह मान,गगनदीप सिंह बग्गा, मनी बग्गा,मनजीत सिंह, आदि लोगों का मुख्य योगदान रहा।

कैम्पा मद से रामानुजनगर वन परिक्षेत्र परिसर में बना सीसी रोड नुकीले कंक्रीट में तब्दील आम जनों को चलना हुआ मुश्किल

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)–वन परिक्षेत्र रामानुजनगर परिसर में विगत 2-3 वर्षों पूर्व कैम्पा मद से स्वीकृत राशि 20 लाख रु से सी. सी. रोड का निर्माण रेंजर द्वारा कराया गया था जो कि घटिया निर्माण के कारण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है और वर्तमान में नुकीले कंक्रीट निकल जाने के कारण पैदल चलने लायक् भी नहीं है । उक्त सड़क निर्माण में प्राक्कलन अनुसार पहले बेस में कॉम्पैक्ट जी एस बी मटेरियल बिछाने के बाद सी सी 1:2:4 अर्थात् सीमेंट 1 भाग , 2 भाग 20द्वद्व क्रेसर गिट्टी तथा 4 भाग रेता का उपयोग मिक्सर मशीन एवम् बाइब्रेटर का उपयोग किया जाना था उसके पश्चात कम से कम 21 दिनों तक जुट बोरा बिछा कर पानी तराई कराना था परंतु निर्माणकर्ता रेंजर ने प्राकलन और गुणवत्ता को पूर्णत: अनदेखा कर अत्यधिक घटिया निर्माण कराया गया है । ज्ञात हुआ है कि उक्त सीसी रोड के नीचे जी एस बी का कार्य किया ही नहीं गया है तथा बहुत कम मात्रा में सीमेंट का उपयोग किया गया है , अत्यधिक मात्रा में सेण्ड प्रयुक्त कर 20एम एम क्रेसर गिट्टी में 30 और 40एम एम गिट्टी मिला कर बिना बाइब्रेटर चलाये सीसी रोड बनाया गया है ! सीसी रोड के नीचे प्लास्टिक शीट भी नहीं लगाया गया है साथ ही निर्धारित दूरी पर सीसी रोड में थर्मोकोल भी नहीं लगाया गया है ! इस प्रकार अत्यधिक भ्रष्टाचार का आलम ये है की 25 वर्षों तक टिकने वाला सीसी सड़क 2-3 वर्षों में ही पैदल चलने लायक् नहीं बचा है !

इस गुणवत्ताविहीन सीसी रोड निर्माण कार्य के संबंध में रेंजर रामचंद्र प्रजापति मोबाईल से संपर्क करने का प्रयास किया गया परंतु उन्होने फ़ोन ऋषिवर करना ऊंचाई नहीं समझा। बहरहाल इस प्रकार वन विभाग के उच्चाधिकारियों के नाक के नीचे इस प्रकार का भ्रष्टाचार समझ से परे है , जिसकी निस्पक्ष जाँच और दोषियों पर समुचित कार्यवाही किया जाना नितांत आवश्यक है ज

संक्षिप्त समाचार

एसपी के गाड़ी ने सिग्नल किया जंप, कट गया चलान

बिलासपुर (विश्व परिवार)। बिलासपुर। सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करना सबसे जरूरी होता है। नियमों का पालन न करने पर जहां दुर्घटना का खतरा बना रहता है, वहीं पकड़े जाने पर पुलिस भी चालान कर देती है। लेकिन ट्रैफिक नियमों का पालन न करने पर क्या आपने कभी किसी पुलिस अधीक्षक (एसपी) का चालान कटते हुए देखा है? सुनकर बड़ा अजीब लगेगा, मगर ऐसा सचमुच हुआ है। दरअसल, छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में रविवार की सुबह एसपी साहब के वाहन चालक ने सत्यम चौक का सिग्नल जंप कर दिया था, इस घटना को चौक पर लगे ङ्कञ्जरूस् (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) के कैमरों ने कैद कर लिया। हालांकि इस वाहन में एसपी रजनेश सिंह खुद मौजूद नहीं थे, फिर भी जब मामला सामने आया तो उन्होंने मिसाल पेश करते हुए ?2000 का जुर्माना खुद ही भर दिया। इस वाकये के बाद पूरे प्रदेश में एसपी रजनेश सिंह की ईमानदारी की चर्चा हो रही है, हो भी क्यों न उन्होंने अपने इस कृत्य से यह साबित किया है कि कानून सबके लिए बराबर है, चाहे वो आम नागरिक हो या फिर कानून के रखवाले खुद।

पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू को किया स्मरण

कोरबा (विश्व परिवार)। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर आज जिले में कई कार्यक्रम आयोजित आयोजित किए जा रहे है। इसी कड़ी में अधिवक्ता धनेश सिंह महात्मा गांधी मार्ग स्थित अपने कार्यालय में पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती मनायी। तथा इन्हे याद करते हुए कहा कि नेहरू की जयंती बालदिवस के रूप में भी मनायी जाती है। चाचा नेहरू बच्चों के अधिकार व शिक्षा प्रणाली के समर्थक थे। वें भारतीय इतिहास के महान नेता थे। जिनका योगदान देश के स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय रहा। पंडित नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद उत्तरप्रदेश में हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में मुरारका पेट्रोल पंप से लेकर टीपी नगर चैक तक का मार्ग पंडित जवाहर लाल नेहरू के मार्ग के रूप में निगम रिकार्ड में अंकित है। जिसकी जानकारी जनमानस को नही होने से उक्त मार्ग को पावर हाउस मार्ग के नाम से जाना जाता है। उन्होंने इस मार्ग को उसके वास्तविक नााम पंडित जवाहर लाल नेहरू मार्ग के नाम से जाने पहचाने जाने बाबत् कदम उठाए जाने पर बल दिया।

सदस्यता प्रदेश प्रभारी सिंहदेव ने बैठक ली

कोरबा (विश्व परिवार)। भाजपा के द्वारा जिन विधानसभा क्षेत्रों में और अधिक सदस्य बढ़ाए जा सकते है वहां पर भाजपा नेताओं को भेजा जा रहा है। ताकि सदस्यता संख्या में इजाफा हो सके। विधानसभा क्षेत्र के अलावा मंडलो में बैठक ली जा रही है। पाली तानाखार विधानसभा क्षेत्र में सदस्यता प्रदेश प्रभारी अनुराग सिंह देव ने बैठक लेकर सभी शक्ति केन्द्रो में और अधिक सदस्य बढ़ाने का कहा है। इसके लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया गया। तानाखार विधानसभा क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए 13 नंवबर से 15 नंवबर तक सदस्य बनाने को कहा गया है। बैठक में संजय भावनानी, रौशन ठाकुर, विवेक मारकण्डे, बिजेश यादव, विशाल मोटवानी सहित अनेको कार्यकर्ता मौजूद थे। कोरबा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता जोगेश लांबा को भी कोरिया जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों में भेजा गया था। उनके द्वारा यहां दो मंडलो में अलग अलग बैठक ली गई थी। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में सदस्य बढ़ाने के लिए 15 नवंबर तक तारिख बढ़ायी गयी है।

मासूम पुत्र की हसिया से गला रेत कर हत्या करने के मामले में पिता को उम्र कैद की सजा

कोरबा (विश्व परिवार)। सितंबर 2023 को आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले मासूम पुत्र की नशेड़ी पिता ने हसिया से गला रेत कर हत्या कर दी। बाद में अपना गला काटने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपित को पकड़ कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। थाना बालकोनगर के ग्राम खेतार (गहनिया) में अमर मांझी 30 वर्ष अपने माता- पिता एवं परिवार के अन्य सदस्य के साथ रहता था। अक्सर शराब, गांजा व भांग का नशा कर अमर घर के सदस्यों के साथ विवाद के साथ मारपीट करता था। काम- धाम करने के बजाए घर के लोगों को डरा धमका कर रहता था। दो वर्ष पहले उसकी विवाद, मारपीट व झगड़ा से त्रस्त हो कर अपने मायके चली गई थी। जबकि उसका मासूम पुत्र पवन मांझी अपने पिता अमर मांझी के साथ रहता था और आंगनबाडी में पढ़ने जाता था। सात सितंबर 2023 को रात सात बजे नशे की हालत में अमर मांझी घर पहुंचा और सब्जी काटने वाले धारदार हसिया से पुत्र का गला रेंत कर काट दिया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 16 नवंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

देश की जड़ें कमजोर दुर्भाग्यपूर्ण

भारत में चुनावी रेवड़ी बांटने की फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। इस संस्कृति के कारण देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की महाराष्ट्र शाखा को सलाह दी कि विधानसभा चुनाव में वह ऐसे वादे ना करे, जिन्हें बाद में वित्तीय सीमा के कारण लागू करना कठिन हो। इसके पहले कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का बयान चर्चित हुआ था, जिससे संकेत मिला कि राज्य सरकार अपनी शक्ति योजना पर पुनर्विचार कर रही है। विवाद बढऩे पर शिवकुमार ने सफाई दी कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। 2023 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस सरकार ने शक्ति योजना लागू की, जिसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन बयानों को कांग्रेस पर हमला बोलने का औजार बनाया। उनके मुताबिक इससे जाहिर हो गया है कि कांग्रेस की चुनावी गारंटियां फर्जी हैं। उन्होंने कहा- चुनाव- दर- चुनाव कांग्रेस लोगों से ऐसे वादे करती है, जिनके बारे में उसे मालूम है कि वह कभी उन्हें पूरा नहीं कर पाएगी। कांग्रेस अब लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गई है।' इस पर कांग्रेस नेताओं का गुस्सा भड़कना लाजिमी था। सो उन्होंने प्रधानमंत्री की चुनावी गारंटियों का लेखा-जोखा पेश करने की मुहिम छेड़ दी। बहरहाल, खड़गे ने अगर चुनावी वादों के मामले में यथार्थवादी रुख अपनाने की सलाह अपनी पार्टी को दी, तो यह सभी दलों के लिए सार्थक आत्म-निरीक्षण का मौका भी हो सकता था। प्रधानमंत्री चाहते, तो इस बारे में गंभीर राष्ट्रीय चर्चा की पहल कर सकते थे। सभी दलों के बीच संवाद कर राजकोषीय संभाव्यता के दायरे में चुनावी वादे करने पर सहमति बनाने की पहल वे कर सकते थे। मगर सारा मामला तू तू-मैं मैं का बन गया। इस तरह भारत में फैलती जा रही आत्मघाती राजनीतिक संस्कृति पर किसी अर्थपूर्ण चर्चा के एक मौके को गंवा दिया गया है। सिद्ध तथ्य है कि चुनावों रेवड़ी बांटने की संस्कृति मानव एवं सामान्य विकास के क्षेत्रों में बुनियादी निवेश की कीमत पर हो रहा है। इससे देश की जड़ें कमजोर हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी दल इस होड़ में शामिल हैं। उन्हें अपनी रेवड़ी को उचित, और दूसरों की अनुचित लगती है।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी.....

शेखर

क्या आपको डीके पांडा की याद है? वही डीके पांडा, जो 1971 बैच के उत्तर प्रदेश काडर के पुलिस अधिकारी के तौर पर जाने जाते थे और अचानक उन्होंने खुद को राधा के रूप में पेश करना शुरू कर दिया था। वह सोलह शृंगार कर ऑफिस जाने लगे थे और अपने नाम के आगे उन्होंने दूसरी राधा लिखना आरंभ कर दिया था। जब अपने मातहत और नजदीकी तक मजाक उड़ाने लगे, तो उन्होंने 'वॉलंटरी रिटायरमेंट' ले लिया था। पांडा अब प्रयागराज में रहते हैं। लोग उन्हें भूल गए थे, पर पिछले दिनों अचानक वह फिर चर्चा में आए, जब उन्होंने प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई कि कुछ लोग उन्हें 'टेरर फंडिंग' के मामले में फंसाने की धमकी देकर आठ लाख रुपये वसूलना चाहते हैं। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिये उन्होंने 381 करोड़ रुपये की रकम अर्जित की थी। इस धनराशि को जब उन्होंने अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कराना चाहा, तो साइप्रस से किसी शख्स ने टेलीफोन किया। खुद का परिचय आरव शर्मा के तौर पर देते हुए उसने कहा कि वह टैक्स के तौर पर आठ लाख रुपये जमा कराएं। शक होने पर जब पांडा ने थोड़ी पूछताछ की, तो कथित आरव शर्मा गाली-गलौज पर उतर आया। उसने धमकी दी कि आठ लाख रुपये अगर हमारे बताए खाते में ट्रांसफर न किए, तो तुम्हें 'टेरर फंडिंग' के मामले में फंसा दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी की कोई खबर नहीं है। दूसरा मामला। श्रीमान वशिष्ठ बतौर बैंक प्रबंधक सेवानिवृत्त होकर अब नोएडा में रहते हैं। गई 21 अक्तूबर की दोपहर उनके पास एक फोन आता है। फोन करने वाला कहता है कि आपके नाम से 'फेडेक्स' से जो कूरियर भेजा गया था, उसमें 16 फर्जी पासपोर्ट, 58 एटीएम कार्ड और 140 ग्राम ड्रग्स मिली है। वह शख्स उनकी एक कथित सीबीआई अधिकारी से बात कराता है, जो खुद को अनिल यादव बताता है। अनिल यादव यह भी कहता है कि उसके साथ हेड कांस्टेबल सुनील हैं। ये जालसाज उन्हें तीन घंटे तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखते हैं। उसी दौरान उन्हें बैंक की शाखा जाने का 'हुक्म' मिलता है। वह फोन किए हुए पते पर पहुंचते हैं

क्या आपको डीके पांडा की याद है? वही डीके पांडा, जो 1971 बैच के उत्तर प्रदेश काडर के पुलिस अधिकारी के तौर पर जाने जाते थे और अचानक उन्होंने खुद को राधा के रूप में पेश करना शुरू कर दिया था। वह सोलह शृंगार कर ऑफिस जाने लगे थे और अपने नाम के आगे उन्होंने दूसरी राधा लिखना आरंभ कर दिया था। जब अपने मातहत और नजदीकी तक मजाक उड़ाने लगे, तो उन्होंने 'वॉलंटरी रिटायरमेंट' ले लिया था। पांडा अब प्रयागराज में रहते हैं। लोग उन्हें भूल गए थे, पर पिछले दिनों अचानक वह फिर चर्चा में आए, जब उन्होंने प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई कि कुछ लोग उन्हें 'टेरर फंडिंग' के मामले में फंसाने की धमकी देकर आठ लाख रुपये वसूलना चाहते हैं।

और आठ लाख रुपये 'निर्दिष्ट' खाते में जमा कर देते हैं। कभी वह यहीं प्रबंधक हुआ करते थे, मगर खौफने उनके मुंह पर ताला जड़ दिया था। बाद में जालसाज उन्हें ऑनलाइन रसीद भी मुहैया कराते हैं। रसीद पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शशिकांत दास के फर्जी हस्ताक्षर हैं। इससे पूर्व भी जो अभिलेख उन्हें ऑनलाइन सौंपे गए थे, वे तकनीकी ज्ञान न रखने वाले लोगों को वास्तविक प्रतीत होंगे। खुद को सीबीआई का 'स्पेशल ऑफिसर' बताने वाला तथाकथित अनिल यादव वशिष्ठ साहब को अपना जाली पहचान-पत्र भी भेजता है। यह सब कुछ इतना सुनियोजित और सुविचारित था कि लंबे समय तक बैंक में सेवा कर चुका वह परिपक्व प्रोफेशनल तक गच्चा खा ही गया। थोड़ी देर बाद जब वशिष्ठ सदमे से उबरते हैं, तो उन्हें अपने साथ हुई ठगी का एहसास होता है। वह स्थानीय पुलिस से संपर्क करते हैं। पुलिस तत्काल ठगों द्वारा बताए गए खाते को 'सीज' करती है, लेकिन तब तक उसमें सिर्फ49 हजार रुपये रह बचे थे। सुबह इस खाते का 'ओपनिंग बैलेंस' महज 20 रुपये था। अगले आठ घंटों में देखते-देखते चार करोड़, 48 लाख, 43 हजार रुपये इसमें जमा हो गए। इस बड़ी धनराशि को दिन भर में लगातार यूपीआई और आरटीजीएस से विभिन्न खातों में ट्रांसफर किया जाता रहा। यह बैंक खाता ईश्वर फाइनेंस के नाम से मुंबई में खुला था। मतलब साफ है, जालसाजों की कई टीमें लोगों को फंसाने में जुटी थीं। तमाम निर्दोष उनके शिकार बने थे। ऊपर बताए गए दोनों मामले बेहद सनसनीखेज हैं। पहला एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से जुड़ा हुआ है, तो दूसरा तजुर्बेकार बैंक प्रबंधक से। ठगों ने उन्हें भी नहीं बख्शा। डिजिटल ठगी या अरेस्ट के तमाम चेहरे हैं। भारत में तो यह एक कुटीर उद्योग के तौर पर पनप चला है। पहले सिर्फ झारखंड का जामताड़ा इसके लिए बदनाम हुआ करता था। अब मथुरा, मुजफ्फरनगर, मेवात, अलवर और न जाने कहां-कहां नौजवान 'इजी मनी' की चाहत में इसमें जुट पड़े हैं। प्रादेशिक पुलिस बल चाहकर भी ऐसे मामलों में बहुत कुछ नहीं कर पाते। उनके पास आवश्यक तकनीक और संसाधनों की कमी है। इसके अलावा वीआईपी ड्यूटी, कानून-व्यवस्था का संचालन एवं अपराधों की तफ्तीश के साथ कर्मचारियों की कमी रास्ते में रोड़ा बनती है। कोई आश्चर्य नहीं कि इन ठगों का धंधा दिन दोगुना रात-चौगुना बढ़ रहा है। भरोसा न हो, तो भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की इस प्रेस विज्ञप्ति पर नजर डाल देखिए। इस विज्ञप्ति के अनुसार, इस साल के शुरुआती तीन महीनों में ही 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिये लोगों से 120.3 करोड़ रुपये वसूले गए। इसके अलावा ट्रेडिंग के नाम पर 1,420.48 करोड़ रुपये, निवेश का झांसा देकर 222.58 करोड़ रुपये और डेटिंग घोटाले में 13.23 करोड़ रुपये का नुकसान आमजन को उठाना पड़ा है। साइबर सुरक्षा से जुड़ी कंपनी 'जैडस्केलर' के मुताबिक, साल 2023 में भारत में सात करोड़, 90 लाख से अधिक 'फिशिंग हमले' हुए। इनमें से 33 फीसदी की शिकार टेक्नोलॉजी कंपनियां बनीं। अमेरिका और ब्रिटेन के बाद 'फिशिंग अटैक' के मामले में भारत तीसरा सबसे बड़ा शिकार है। गौरतलब है कि संसार के सर्वाधिक संपन्न और सशक्त देश अमेरिका में सर्वाधिक यानी 56 फीसदी घटनाएं हुईं। इसके बाद ब्रिटेन का नंबर था। वहां समूचे संसार की 5.6 फीसद घटनाएं दर्ज की गईं। भारत 3.9 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। 'डिजिटल अरेस्ट' के प्रति जागरूकता की अहमियत कितनी है, आप इसका अंदाज इस बात से लगा सकते हैं कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसमें दखल देना पड़ा। उन्होंने मन की बात के पिछले एपिसोड में देशवासियों से कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर इस तरह की धमकी नहीं देती और न ही पैसों की मांग करती है। उन्होंने सूत्र दिया कि यदि कोई इस तरह का फोन करता है, तो 'रुको, सोचो, एक्शन लो।' मोदी ने देश को यह भी आश्वासन दिया कि इस तरह की घटनाओं से सरकार सख्ती से निपटेगी। ऐसे मामलों में सरकार तो जो करेगी, वह करेगी ही।

आलेख

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

जया वर्मा सिन्हा

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी! इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं। भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

दशकों से अमेरिका और वैश्वीकरण एक-दूसरे का पर्याय

बलबीर पुंज

दीपावली के अवसर पर ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताया था। साथ ही अपनी सरकार आने पर दोनों देशों के बीच की साझेदारी को और आगे बढ़ाने का वादा किया था। ट्रंप बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की कड़ी निंदा भी कर चुके हैं। अमेरिका में रिपब्लिकन प्रत्याक्षी डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीतकर इतिहास रचा है। वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। सामरिक-आर्थिक रूप से विश्व के सबसे ताकतवर देशों में से एक होने के कारण शेष दुनिया में इस चुनाव को लेकर स्वाभाविक चर्चा रही। भारत में भी इसे लेकर दो कारणों से उत्साह दिखा। पहला— ट्रंप की प्रतिद्वंदी और अमेरिकी उप-राष्ट्रपति कमला देवी हैरिस का भारत से तथाकथित जुड़ाव' होना। यह अलग बात है कि हैरिस कमोबेश भारत-हिंदू विरोधी ही रही हैं। दूसरा— डोनाल्ड ट्रंप, जोकि पहले भी राष्ट्रपति (2016-20) रह चुके है— उनका खुलकर हिंदू हितों की बात करना और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे मजहबी हमलों का संज्ञान लेना। परंतु इस सच का एक अलग पहलू भी है। यह ठीक है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में तुलनात्मक रूप से भारत के आंतरिक मामलों में अमेरिका ने बहुत कम हस्तक्षेप किया है। ट्रंप प्रशासन ने वर्ष 2019 में धारा 370-35ए के संवैधानिक क्षरण और पुलवामा आतंकवादी हमले के प्रतिकार स्वरूप पाकिस्तान के भीतर भारतीय सर्जिकल स्ट्राइक का समर्थन किया था। इस बार भी ट्रंप ने भारत-अमेरिका के संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। दीपावली के अवसर पर ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताया था। साथ ही अपनी सरकार आने पर दोनों देशों के बीच की साझेदारी को और आगे बढ़ाने का वादा किया था। ट्रंप बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की कड़ी निंदा भी कर चुके हैं। अब तक सामने आई कई रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती है कि बांग्लादेश में असंख्य हिंदुओं को मजहब के नाम पर जानलेवा हमलों का सामना करना पड़ रहा है। क्या ट्रंप की अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत, वैश्वीकरण के ताबूत में अंतिम कील होगी? ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में जो निर्णय लिए थे, जिसमें सात इस्लामी देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का फैसला तक शामिल था— उसमें उनकी सबसे प्रमुख नीति अमेरिका फर्स्ट' थी, जिसे ट्रंप ने इस बार भी दोहराया है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने शुल्कों के माध्यम से भारत-चीन सहित अन्य एशियाई देशों के साथ यूरोपीय सहयोगियों पर भी निशाना साधा था। मई 2019 में ट्रंप ने भारत को न केवल टैरिफ किंग' बताया था, साथ ही अमेरिकी बाजार में भारत को मिले विशेष व्यापार सुविधा (अमेरिकी व्यापारिक वरीयता कार्यक्रम) को भी समाप्त कर दिया था। तब ट्रंप ने कहा था, भारत एक उच्च शुल्क वाला देश है।ज् जब हम भारत को मोटरसाइकिल भेजते हैं, तो उसपर 100 प्रतिशत शुल्क होता है। जब भारत हमारे पास मोटरसाइकिल भेजता है, तो हम उनसे कोई शुल्क नहीं लेते। वो हमसे 100 प्रतिशत वसूल रहे हैं। ठीक उसी उत्पाद के लिए, मैं उनसे 25 प्रतिशत वसूलना चाहता हूं। इस बार ट्रंप अमेरिका में सभी आयातों पर 10 प्रतिशत, तो चीन से आयात पर 60 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने की बात की है। वास्तव में, ट्रंप की यह नीति संरक्षणवाद से प्रेरित है, जो वैश्वीकरण के लिए खतरा है। यह घटनाक्रम इसलिए भी दिलचस्प है, क्योंकि दशकों से अमेरिका और वैश्वीकरण एक-दूसरे का पर्याय रहा है। यह ठीक है कि साम्राज्यवादी चीन के बढ़ते प्रभुत्व के खिलाफ दशकों तक अस्पष्ट स्थिति अपनाने के बाद अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। वर्ष 2016 के बाद ट्रंप प्रशासन ने पहली बार चीन को एक खतरे' और रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी' के रूप में पेश किया था। उनसे पहले किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन को इस तरह नहीं देखा था। भारत, जो चीन के साथ लगभग 3,488 किमी लंबी विवादित सीमा साझा करता है— पिछले छह दशकों से चीन की आक्रामक नीति का सामना कर रहा है, जिसमें 1962 का युद्ध और हालिया वर्षों में डोकलाम-गलवान-तवांग सहित अन्य सैन्य टकराव शामिल है। इस परिप्रेक्ष्य में ट्रंप से उम्मीद की जा सकती है कि वह अपने पहले कार्यकाल की नीतियों का ही विस्तार करेंगे, जिसमें चीन के साम्राज्यवादी रवैये के खिलाफ मुखर होकर क्वाड समूह (भारत सहित) को मूर्त रूप दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अप्रवासन एक संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा रहा। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल से इसपर आक्रमक रहे है और उनका दूसरा कार्यकाल अपेक्षित रूप से अवैध अप्रवासन को रोकने के अपने वादे को और सख्ती से लागू करने का प्रयास करेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में बाइडन प्रशासन के नेतृत्व में अमेरिका ने लगभग 1100 अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजा है। भारत भी स्पष्ट कर चुका है कि वह अवैध प्रवास का समर्थन नहीं करता। परंतु यदि ट्रंप अप्रवासन के मामले में और सख्ती दिखाते है, तो यह निसंदेह भारत के लिए चुनौती खड़ी कर सकता है। ट्रंप और हैरिस ने अपने चुनावी भाषणों में भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं को लुभाने (दीपावली पर बधाई सहित) का भरसक प्रयास किया। जहां कमला अपनी भारतीय पहचान स्थापित करने हेतु प्रसिद्ध भारतीय व्यंजन इडली-सांभर' का उपयोग करती दिखी, तो ट्रंप ने अपने प्रतिनिधि विवेक रामास्वामी और उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वैंस की पत्नी उषा वैंस को चुनाव-प्रचार में शामिल किया। सच तो यह है कि ट्रंप-हैरिस की कवायद विशुद्ध रूप से राजनीतिक थी। भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मान्यताओं और मूल्यों से जुड़े होने के कारण अधिकांश हिंदू और सिख अमेरिका के सबसे संपन्न, समृद्ध और शिक्षित वर्ग में गिने जाते है। अमेरिका की कुल आबादी में अमेरिकी-भारतीयों की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम हैं।

बदलते भारत की बदलती तस्वीर...

जया वर्मा सिन्हा

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी! इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमश: सुखद बनाने की है। अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है - चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया। विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की! भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफ़िसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुज़ुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं। भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है। जया वर्मा सिन्हा भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ (सेवानिवृत्त) रही हैं

जया वर्मा सिन्हा, सेवानिवृत्त चेयरमैन एवं सीईओ, रेलवे बोर्ड

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 16 नवम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अष्टान्हिका महापर्व में नन्दीश्वर द्वीप के 5616 अर्घ्य समर्पित, भक्तामर पाठ व नंदीश्वर भक्ति का आयोजन

जयपुर (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर 8 नवंबर से 15 नवंबर तक अर्हं ध्यान योग प्रणेता परम पूज्य प्रणम्य सागर जी महाराज के द्वारा रचित महामह नंदीश्वर विधान प्रतिदिन प्रात: 7 बजे से किया गया जिसमें नन्दीश्वर द्वीप के 5616 अर्घ्य समर्पित किये। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जी ने अवगत कराया कि इस अवसर पर शुक्ल पक्ष में चतुर्दशी 14 नवंबर 2024 को 48 दिवसीय भक्तामर पाठ के अंतर्गत घोषित प्रति माह की श्रृंखला में 48 मंत्रित काव्यों के 48 दीपों से दीप अर्चना की गई। दीपार्चना के पश्चात विधानाचार्य पं. अजीत शास्त्री के निर्देशन में आचार्य प्रवर पूज्य पाद कृत आचार्य श्री 108 विद्यासागर महा मुनिराज के द्वारा हिंदी पद्यानुवाद नंदीश्वर भक्ति बड़े ही धूमधाम से की गयी। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छावड़ा -मधु छावड़ा, लता सोगानी, कमला देवी, भावना झांझरी, वीरेंद्र- सुनन्दा अजमेरा, उदयभान जैन-अनिता बड़जात्या, ज्योति जैन, बिमला जैन, अशोक-बिमला बिलाला, कमल जी मालपुरा वाले, अनिल जैन गदिया, समीक्षा गदिया, अजित जी पहाडिया, शिमला पाटनी, निलेश जैन, कुणाल बड़जात्या आदि के साथ अनेकों पुरुष व महिलायें, बालक बालिकायें उपस्थित थे।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन पाठशाला द्वारा मां की ममता की मार्मिक प्रस्तुति एवं अन्य शिक्षाप्रद प्रस्तुति ने सभी को किया भावुक

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। गुरुवार की अनुपम बेला में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन पाठशाला द्वारा अन्य शिक्षाप्रद सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई जो सभी को भावुक कर गई सांस्कृतिक प्रस्तुति में मां की ममता दौलत के आगे किस तरह से फीकी हो जाती है इसे दर्शाया गया एवं वर्तमान परिपेक्ष्य में स्वार्थ के वशीभूत एवं धन के वशीभूत होकर बेटे मां को झकझोर देते हैं एवं धन के लिए लड़ाई करते हैं और मां के सामने धन के लिए लड़कर मां की कद्र नहीं करते ऐसी भावुक प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को भावुक कर दिया। नाटक प्रस्तुति में बताया गया कि मां की ममता फीकी पड़ गई हो गया सबसे बडा रुपया। अलौकिक प्रस्तुति को देख सभी भावुक हो गए और यह प्रस्तुति सभी के लिए प्रेरणा बन गई। दूसरी प्रस्तुति नौकरी और व्यवसाय में दर्शाया गया कि आज की युवा पीढ़ी और आज के बच्चे उच्च पैकेज के लिए व्यवसाय को छोड़ नौकरी की और बढ़ रहे हैं और नौकरी में कितनी चिंता कितना मानसिक दबाव होता हैं उसे दर्शाया गया साथ ही वर्तमान प्रासंगिकता में व्यापार को प्राथमिकता देते हुए दर्शाया गया एवं स्वरोजगार स्वावलंबन की सीख दी इसके अंतर्गत व्यापार के लिए हथकरघा व्यवसाय एवं पाक कला व्यवसाय के दृश्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसी के साथ शांतिनाथ दिगंबर जैन पाठशाला के बच्चों को भी वर्ष 2024 की वार्षिक परीक्षा के पुरस्कार वितरण किए गए। पूरे कार्यक्रम का निर्देशन कनकमाला द्वारा किया गया। शांतिनाथ मंदिर की व्यवस्थापक समिति द्वारा पाठशाला में बच्चों को संस्कार देने वाली सभी शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।समारोह का कुशल संचालन प्रशांत जैन आचार्य ने किया।

अगहन वदी दोज 17 नवम्बर 2024 को : मूकमाटी रचयिता आचार्य श्री विद्यासागर जी मुनिराज के 53वें आचार्य पदारोहण दिवस पर विशेष लेख

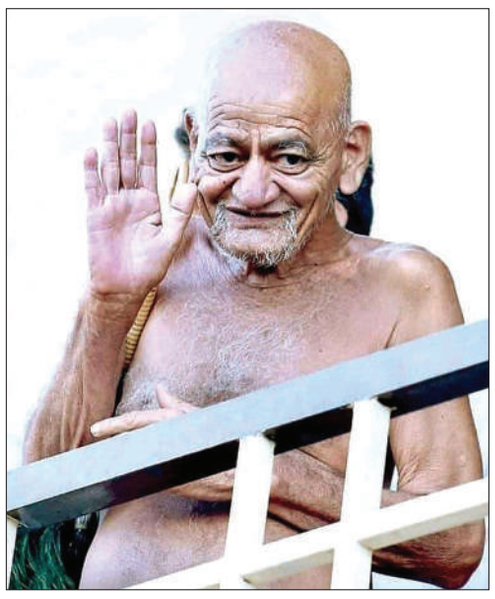

विश्व को भारत ने ही गुरू शिष्य परम्परा से अवगत कराया है और अचारात्मक नैतिक मूल्यों की अजस्त्रधारा प्रवाहित की है। उसी परम्परा को निर्वाह मूकमाटी रचयिता बाल ब्राम्हचारी आचार्य श्री ने किया उनकी शिष्य परम्परा समुदाय में 350 पिच्छिधारी

साधु- साध्वी, 500 ब्रम्हचारी भाई व लगभग 800 ब्रम्हचारिणी बहिनें व हजारों प्रतिमाधारी श्रावक श्राविका रहें हैं। भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत श्रमण साँकृति के प्रजासम्पन्न मूकमाटी रचयिता दुनिया के संत समाज रहे है। तीर्थकर महावीर के संदेश जिओ और जीने दो को भारत के कोने कोने में फैलाने हेतु भागीरथी प्रयास करने वाले तपस्वी सम्राट का नाम रहा हैं मूकमाटी रचयिता। आचार्यश्री।

ध्यान योगी महामनीषी, आध्यात्मिक व राष्ट्रहित चिंतक सर्वोदयी सँत, स्वावलंबी जीवन जीने वाले युगपुरुष विराट व्यक्तित्व के धनी महामनस्वी साहित्य शिल्पी रहे मूकमाटी रचयिता। उन्होंने अपनी चिंतन साधना से प्रसूत यह महाकाव्य लिखकर अपने भाव चेतना को अंतर का हृदय का स्पंदन बनाकर जगत को उसका परिचय करा दिया। उन्होंने आपकी कथनी व करनी में एक्य स्थापित कर समूची मानव समाज को अपने आंतरिक विचारों से परिमार्जित किया । मूकमाटी रचयिता शब्दो के ऐसे जादूगर रहे जो शब्द अभिव्यक्ति और संप्रेक्षण के मनमोहक परिधान से नए अर्थ प्रदान करते रहे। अनुशासन व अनुकम्पा की जीवंत मूर्ती रहे मूकमाटी रचयिता जिन्होंने हिन्दी व संस्कृत भाषा साहित्य के अनेक शतक, कविता संग्रह, प्राचीन आचार्य, प्रणीत ग्रंथ, अनुवाद एवं 675 हाईकू (जापानी छन्द) रचना की एवं प्राकृत अपग्रंथ आदि बहुभाषाओं के संरक्षण की वैचारिक क्रांन्ति पैदा करने का महौल व वातावरण निर्मित किया मूकमाटी रचयिता ने ।

जिनके आशीष से जानलेवा बीमारियों से ग्रसित सैकड़ो लोगों का रोगमुक्त होना, हजारों लोगो की परेशानी से छुटकारा पाना सैकड़ों साधकों द्वारा मार्गदर्शन दिशानिर्देश प्राप्त कर समाधि सल्लेखना धारण करना यह सब मूकमाटी रचयिता की कृपा का प्रतिफल रहा है। हजारों शिष्य, लाखो अनुयायी करोड़ो श्रदालु उस महान आत्मा को, सिद्धत्व पाने के लिए श्रीराम, श्री हनुमान, श्री महावीर, श्रीकुंदकुंद जैसे सुबह शाम भजते रहे हैं जिनकी कालजयी रचना मूकमाटी पर 283 समालोचना सहित 4 डी लिट, 50 पी. एच डी व अनेक प्रकार के शोध प्रबंध हो चुके हैं।

पूज्य गुरूदेव के दर्शनार्थ अनेक व्यक्तित्व महामहिम राष्ट्रपति महोदय, माननीय प्रधानमंत्री महोदय, राज्यपाल महोदय, राजदूत कानूनविद, शिक्षाविद, धर्माचार्य, कुलपति, जिलाधीश, आई. जी. न्यायाधीश साहित्यकार चिकित्सक व प्रशानिक अधिकारी आदि श्री चरणों में आकर उनके देश समाज व विश्व शांति के उन्नयन में दिशा निर्देश प्राप्त करते रहे है। प्राचीन भारतीय स्वर्णिम इतिहास के प्रति जनता में जागरूकता, स्वाभिमान जागृत करने एवं भारतीय शिक्षा के मूल तत्व को पुनस्थापित हेतु कन्या आवासीय विद्यालय प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ, महाविद्यालयीन प्रतिभा की स्थापना राष्ट्रभाषा हिन्दी, शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी (इंग्लिश) नहीं मातृभाषा हो, इंडिया नहीं भारत बोलो एवं राष्ट्र सहित योग्य व्यक्ति के चुनाव हो शत प्रतिशत मतदान हो जैसे विचारों को अवगत व क्रियान्वयन किया मूकमाटी रचयिता ने पीड़ित मानव सेवा के लिए भाग्योदय तीर्थ अस्पताल सागर शांतिनाथ विद्यासागर आरोग्य केन्द्र बहोरीबंद एवं पूर्णायु आयुर्वेद अस्पताल व महाविद्यालय जबलपुर की स्थापना हुई मूकमाटी रचयिता के आशीर्वाद

से उन्होने प्राचीन शिल्प कला, स्थापना कला व मूर्तीकला को जीवित रखने के लिए नए पाषण युक्त मंदिर निर्माण जैसे कुंडलपुर, अमरकंटक, वीना वारहा नेमावार, डोंगरगढ़ आदि एवं प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार के लिए प्रेरणा दी तीर्थ हमारे प्राण है पूर्वजों की धरोहर है जिन्हें अक्षुण्ण

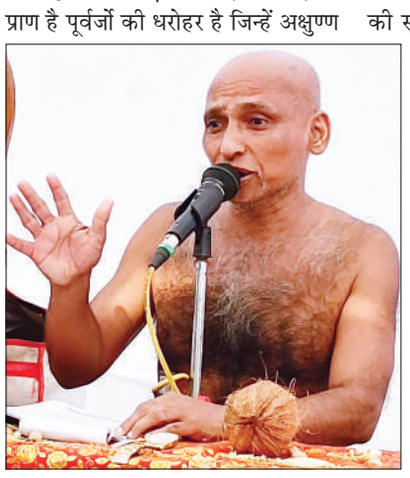

बनाएं रखना हमारा कर्तव्य है इसके उदाहरण पटनागंज पनागर बहोरीबंद रामटेक नैनागिरी देवगढ़ आदि है।

स्वालंबन स्वरोजगार हेतु श्रमिक व कैदियों जेल वाले के शोषण रोकने हेतु देश में सैकड़ो हथकरघा व भारतीय हस्तशिल्प केन्द्र खुलवाकर अहिंसा का प्रचार प्रसार का बीड़ा उठाया मुकमाटी रचयिता ने गोधन राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है गौशाला जीवित कारखाने हैं का संदेश देकर जीवदया क्षेत्र में 140 गौशालाएं मै एक लाख से ज्यादा पशुधन संरक्षण व शरण प्राप्त करवाकर भारत में गौस निर्यात बंद हो का आव्हान किया। फलस्वरूप मध्यप्रदेश सरकार ने आचार्य श्री के नाम पर अनेक जीवदया योजना चालू कर व लाखों रूपये के गौसेवक पुरस्कार प्रतिवर्ष वितरित करने का प्रारंभ कर दिए।

मूकमाटी रचयिता की प्रेरणा से लगभग 500 जैन पठाशालाओं द्वारा जैन बालक बालिकाओ का ज्ञान व धार्मिक संस्कार (वर्तमान में आधुनिक पद्धतियों की सम्मलित) प्राप्त कर करके प्रभु पूजा भक्ति आराधना आदि को विधि सिखाई जा रही है। विनय आदि मानवीय गुणों को विकास करने हेतु। शासकीय क्षेत्र के प्रशासन क्षेत्र में सेवाओं में जैसे आईएएस, आईपीएस, पीएससी आदि में स्वच्छ छवि वाले अधिकारियों को तैयार करवाने में पूज्य गुरूदेव का विशेष मार्गदर्शन प्रेरणा रही है।

हानिकारक हिंसक खान - पान पैक बंद फास्टफूड खाद्य सामग्री से दूर रहने के लिए व व्यवस्थित जीवन शैली शाकाहार को अपनाएं जाने के लिए प्रवचनों में समाहित अनेक गूढ रहस्यों का बताकर भारतीय संस्कृति का महत्व बताया । उन्होने जीवन को संयमित रखने, जीवन की सत्यता को पहचाने हेतु पंक से पंकज बनने की शक्ति अर्जित करने के प्रयोग से जग को हतप्रभ कर दिया अंतिम क्षणों में।

ऐसे तपोदीप्त मूकमाटी रचयिता सिंह के समान निस्संग पर्वत के समान अचल, जल के समान निर्मल, चन्द्रमा के समान सौम्य तथा प्रथ्वी के समान क्षमावान रहें । उन्होने अपनी वाणी सदकार्य त्याग व तपस्या से लाखों लोगों के मन जीवन तथा परिवार में शील, सदाचार, श्रद्धा समरसता की प्रतिष्ठा की । ऐसे परम आदर्श संत शिरोमणी के व्यक्तित्व व कृतित्व को नमन नमन नमन।

-निर्यापक मुनिश्री प्रसाद सागर जी महाराज ससंघ

यह संसार एक मुसाफिर खाना है संतों का जीवन एक मुसाफिर की भांति होता हे : डॉ. साध्वी सुमंगल प्रभा जी

जय आनंद मधुकर रतन भवन में साध्वी मंडल का चातुर्मास का अंतिम प्रवचन

दुर्ग (विश्व परिवार)। जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में आध्यात्मिक प्रवचन श्रृंखला पूरे चार माह हर्ष और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुई और कैसे चार माह बीत गया पता ही नहीं चल चला। आज चातुर्मास पूर्णता की ओर है। यह आध्यात्मिक चातुर्मास ज्ञान ध्यान तप त्याग धार्मिक जप अनुष्ठान की आराधना के साथ संपन्नता की ओर अग्रसर है कल प्रात: 8:00 बजे चातुर्मासिक विहार महावीर कॉलोनी स्थित महावीर भवन के लिए होगा। प्रभु महावीर की वाणी उतराअध्यन सूत्र, सुख विपाक सूत्र, का वचन पूरे चार माह साध्वी डा सुवृद्धि श्री जी एवं साध्वी रजत प्रभा जी के मुखारविंद से श्रवण करने का अवसर संघ को प्राप्त हुआ। सिद्धि तपकी आराधना मास खमण वंदना, 68 दिवसीय नवकार महामंत्र अनुष्ठान आयम्बिल ओली, पेसठिया छंद अनुष्ठान, आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज का चमत्कारिक जाप, बड़ी साधु वंदना का आयोजन इस आध्यात्मिक चातुर्मास का सफलता का केंद्र रहा।

साध्वी डॉक्टर सुमंगल प्रभा जी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए अपने अंतिम प्रवचन श्रृंखला में कहा कि जैसे पकी हुई फसल चार माह में हुई वर्षा की स्मृति दिलाती है वैसे ही आपको अवलोकन करना होगा कि हमने हमारे जीवन रुपी खेत में प्रवचन की वर्षा से फसल उगाई की नहीं।

हमारा जीवन धर्म से अंकुरित, पल्लवित, पुष्पित एवं फलित इनमें से किस स्तर पर पहुंचा है। जीवन रूपी धरा उर्वरा बनी की नहीं यह अवलोकन करना अत्यंत आवश्यक है। साध्वी डॉक्टर सुमंगल प्रभा ने आगे कहा यह संसार एक मुसाफिरखाना है संतों का जीवन एक मुसाफिर की भांति होता है जो चार माह एक स्थान पर चातुर्मास करते हैं फिर प्रस्थान कर देते हैं। जिस संघ में अच्छे ईमानदार, दीर्घदर्शी पारदर्शी व्यक्तित्व वाले कार्यकर्ता होते हैं वह संघ दीर्घजीवी होता है सेवानिष्ठा, विचार निष्ठा चारित्र निष्ठा ही कार्यकर्ता संघ समाज को प्रतिष्ठा देती है।

व्यक्ति बुद्धि के योग से वैज्ञानिक पुष्य के योग से सम्पति शाली शिक्षा के योग से डॉक्टर और इंजिनियर बन गए मगर अच्छे एवं सच्चे समाजसेवी बनने के लिए समर्पण श्रद्धा निष्ठा आस्था एवं विश्वास का योग होना आवश्यक है। अनेक प्रकार के व्यक्ति होते हैं। जैसे लालटेन ट्यूबलाईट, बल्ब, दीमक, दीपक। सर्वश्रेष्ठ जो व्यक्ति होता है वो दीपक की भांति होता है। दीपक अगर एक जला हुआ है तो हजारों दीप प्रज्वलित कर सकता है-वैसे ही संघ समाज में दीपक भांति जो कर्मठ कार्यकर्ता होते हैं वो अपने कर्तव्य से हजारो व्यक्तियों को संघ समाज से जोड़कर एकता, संगठन प्रेम आत्मिकता सोहार्दता द्वारा समाज को एक नया आलोक प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यकती शिष्ट विशिष्ट एवं उत्कृष्ट होते हैं जो दीपक की भांति होते हैं।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा में सदैव अग्रणी रहा है आदिवासी समाज : भावना बोहरा

कवर्धा (विश्व परिवार)। धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर कवर्धा के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियों में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जमुई बिहार में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह से वचुअर्ल माध्यम से जुड़कर जनजाति समाज को संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री संतोष पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि के रूप में पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा शामिल हुए। मुख्य अतिथियों ने माता सरस्वती की प्रतिमा तथा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजाति समाज की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि देश के प्रगति में जनजाति समाज का योगदान अभूतपूर्व है। इस दौरान सभी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन का श्रवण किया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को भारत सरकार द्वारा शौर्य, लोक कला, संस्कृति की वैभवशाली विरासत, विकास और निर्माण में सशक्त भागदारी सुनिश्चित करने के लिए जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस पर बढ़ी संख्या में जनजाति समाज के लोग शामिल हुए और उन्होंने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्षों को याद किया गया। जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का स्टॉल प्रर्दशनी लगाई गई जिसका अवलोकन किया गया।

सांसद श्री पाण्डेय, पंडरिया विधायक श्रीमती बोहरा शासन द्वारा जनजातीय वर्ग के लिए संचालित किए जा रहे विभिन्न प्रकार के योजनाओं से हितग्राहियों को लाभन्वित किया गया। इस दौरान जनजातियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्युतीकृत सोलर पैनल, मसूर मिनीकिट प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

धन्य है ये दिगंबर मुद्रा, तेज बारिश में भी निरंतर ससंघ विहार कर रहे आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज : अभिषेक अशोक पाटील

नांदणी (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। अखिल भारतवर्षिय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापूर के कार्याध्यक्ष श्री अभिषेक अशोक पाटील ने बताया कि धन्य है ये दिगंबर मुद्रा, हुवीन हडगली (कर्नाटक) में तेज बारिश में भी निरंतर ससंघ विहार कर रहे है आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज। समस्त हुवीन हडगली के श्रावक - श्राविकाओंने आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ की बाजे-गाजे-धूम-धाम के साथ भव्य अगुवानी कर हर्षोल्लासमयी वातावरण में उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

नमोस्तु शासन को निरंतर जयवंत करने वाले दिगंबर जैनाचार्य विशुद्धसागर जी महाराज अत्यंत प्रेरणास्पद हैं। आपकी आगमानुसार चर्या, क्रिया सम्यक चारित्र का प्रकाशन करती है। आपकी मुद्रा में जिन मुद्रा का दर्शन मिलता है। धरती पर चलते - फिरते % धरती के देवता % हैं आप। आचार्य श्री जिनसेन स्वामी जी ने लिखा है कि पंचमकाल में दिगंबर मुनि ही अरिहंत हैं। वर्तमान में पूज्य आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज हमारे महावीर ही हैं।

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ के श्रवणबेलगोला कि ओर कदम बढ रहे है। संभवता 25/11/2024 की शाम को या 26/11/2024 की सुबह आचार्य श्री विशुद्धसागर जी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश दक्षिण भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र गोम्मटेश बाहुबली श्रवणबेलगोला जी (कर्नाटक) मे होगा।

हुवीन हडगली के युवक शिखर जैन ने कहा कि हम सभी श्रावक-श्राविकाओं का सौभाग्य है कि आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के संघ का दर्शन हमें मिला है। हमारे यहाँ भगवान महावीर स्वामी के प्रतिनिधी चलकर आए हैं। हमने भगवान महावीर स्वामीजी को तो नहीं देखा, किंतु ये दिगंबर मुद्रा भगवान महावीर स्वामी का दिग्दर्श कराती है। यह हम सबके श्रद्धा के केंद्र हैं, हमारे गुरू चर्याशिरोमणी आचार्य भगवन विशुद्धसागरजी महाराज हैं।

चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के चरण जहाँ पड जाते हैं, उस भूमी का कण - कण पवित्र हो जाता है। आप जैनदर्शन के एवं नमोस्तु शासन के उगते दिवाकर हैं। आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी जैनजगत को साहित्य का अनुपम उपहार दे रहे हैं। आगामी भव्य पंचकल्याणक श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैनरगुत्ती, हासन (कर्नाटक) 28 नबम्बर 2024 से 4 दिसम्बर 2024 तक हैं। नमोस्तु शासन जयवंत हो। **-अभिषेक अशोक पाटील**

इंदौर में मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में हुआ ऐतिहासिक रथावर्तन महामहोत्सव, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज कराया अपना नाम

इंदौर (विश्व परिवार)। इंदौर में हुआ ऐतिहासिक रथावर्तन महामहोत्सव मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में108 रथ जिसमें स्वर्ण रजत तथा काष्ट के रथ थे जो कि राजस्थान मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश से आये थे। उपरोक्त रथावर्तन महोत्सव को गोल्डन बुक आंफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया।

इंदौर: संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य गुणायतन भावना योग तथा शंकासमाधान के प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज, मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज मुनि श्री संघान सागर महाराज के सान्निध्य में शनिवार को प्रात:काल 108 रथ जिसमें स्वर्ण चांदी तथा काष्ट एवं गजराज पर मंगल विहार हुआ, मंगल गीतों की धुन पर श्रद्धालु प्रभु और गुरू की भक्ती में लीन होकर नृत्य कर रहे थे। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया इस अवसर पर पर्यावरण एवं लोक संस्कृति की कयी झांकियां निकाली गई एवं अखाड़ा भी शामिल हुये, उन्होंने अपने पेट पर भारी भरकम पत्थर रखकर उसको घन की चोट देकर टुकड़े टुकड़े करना शामिल है। विभिन्न झांकिओं में लोकनृत्य का प्रदर्शन करते हुये तथा चारोंओर मंगलमय नजारा था जिसमें भारत ही नहीं वल्कि अमेरिका, न्यूजीलैंड से आऐ श्रद्धालु भी नजर आये, लगभग साठ हजार श्रद्धालुओं ने यह अद्भुत नजारा अपनी आंखों से देखा।उपरोक्त कार्यक्रम से हुआ रथावर्तन महोत्सव की शुरुआत मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल एवं जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट तथा जैन समाज के भामाशाह अशोक पाटनी एवं श्री मति सुशीला पाटनी के नेतृत्व में प्रात:8 बजे रथयात्रा की शुरुआत विजयनगर चौराहे पर बने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के लिये बने आचार्य विद्यासागर सभा मंडप से शुरुआत हुई।इस अवसर पर संघस्थ क्षु आदर सागर, क्षु समादरसागर, क्षु.चिद्रूपसागर, क्षु.स्वरुप सागर क्षु.सुभग सागर महाराज के साथ इंदौर शहर के सभी गणमान्य नागरिक चल रहे थे। इस समारोह में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के संघस्थ सभी मुनिराजों के चित्र के साथ एक वृहद झांकी आचार्य श्री के जीवन चरित्र तथा भावना योग पर निकाली गयी जिसमें मुनि श्री के स्वास्थ्य लाभ एवं संम्वोधित नारे लिखे थे। जुलूस का संचालन बाल ब्र.अशोक भैयाजी एवं बाल ब्र.अभय भैयाजी के निर्देशन में प्रारंभ हुआ108 रथों का यह चल समारोह अद्भुत था जो कि प्रात: 8 बजे से शुरु हुआ एवं एल आई जी चौराहा, पाटनीपुरा, भमोरी चौराहा से होते हुये दौपहर एक बजे कार्यक्रम स्थल विजयनगर पहुंचा।इस अवसर पर मुनि श्री ने सम्वोधित करते हुये सबसे पहले प्रशासनिक अधिकारियों को आशीर्वाद देते हुये कहा कि आज के दिन जो कुछ भी घटित हुआ है वह महज एक घटना ही नही, अपितु स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला एक इतिहास है मुनि श्री ने कहा कि विधान हर वर्ष होते है, और विधान के बाद रथयात्रायें भी होती है, लेकिन108 मंडलीय सिद्धचक्र विधान होंना पूरे भारत के इतिहास में श्री सम्मेद शिखर जी के बाद यह दूसरी घटना है लेकिन इंदौर में 108 रथयात्रा पूरे संसार की पहली रथ यात्रा है जिसने अपना नाम वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करा लिया, आज की यह रथयात्रा ही नहीं थी वल्कि चारों और आनंद और उल्लास से भरा जन सैलाब था मुनि श्री ने कहा कि ये जो अंदर की भावना है यह बहुत दुर्लभ होती है, उसे आप लोगों ने वह सब कुछ प्रदर्शित कर दिखाया, आपकी भावना आपकी प्रभावना का प्रमाण बन गयी उन्होंने कहा कि इंदौर के इस चातुर्मास में परम पूज्य गुरुदेव के प्रत्यक्ष आशीर्वाद के अभाव में भी उनका आशीर्वाद हमेशा बना रहा उन्होंने रहस्य की बात बताते हुये कहा कि रात 1 बजकर चलीस मिनट पर स्वप्न में पूज्य गुरुदेव आऐ उन्होंने कहा कि 108 रथों की यात्रा कितनी बजे है तो मैंने कहा कि 8 बजे और मेरी नींद खुल गयी, फिर में नहीं सोया रथ यात्रा में विलम्व हो रहा था। **-अविनाश जैन**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 16 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

दो अलग-अलग स्थानों से 9 जुआरी गिरफ्तार

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी की थाना भखारा पुलिस ने थानाक्षेत्र के दो अलग अलग स्थानों ग्राम गातापार एवं ग्राम सेमरा बी 02 में जुआ खेल रहे 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 4830 रूपये व ताशपत्ती जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी भखारा को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गांतापार,बाजार चौक के पास कुछ व्यक्तियों के द्वारा 52 पत्ते ताश जुआ खेल हैं। सूचना पर तत्काल मौके पर जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किये तो 05 जुआरियों को पुलिस जुआरियों को मौके पर जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ा गया वहीं कुछ आरोपी पुलिस को देखकर भाग गए। मौके पर जुआ खेलते 05 पकड़े गये व्यक्तियों को नाम पता पूछने पर अपना नाम विकेश कुमार साहू, दानवीर साहू,बलराम यादव,शुभम कुमार साहू,पुष्पेंद्र कुमार साहू पाचो ग्राम गातापार का रहने वाले बताये मौके पर फड़ से 3110/- रूपये नगद,ताश के 52 पत्ते जब्त किया गया। वहीं एक अन्य मामले में सूचना पर ही थाना भखारा पुलिस ने ग्राम सेमरा बी कबीर चौक चांदापारा के पास से 4 जुआरियों को जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ा गया। पकड़े गये जुआरियों ने नाम पता पूछने पर अपना नाम प्रवीण पटेल जितेश कुमार साहू पंकज साहू राजकुमार यादव नाम बताये मौके पर फड़ से 1720 रूपये नगद,ताश के 52 पत्ते जब्त किया गया है। दोनों ही मामलों में आरोपियों के खिलाफ धारा 3(2) जुआ एक्ट छत्तीसगढ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

कलेक्टर ने बारूला धान खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज दोपहर जिले के धान खरीदी केन्द्र बारूला का निरीक्षण किया। उन्होंने शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्र में नमी-मापक मशीन से धान के नमी की जॉच भी की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र में बारदाना, तौल मशीन का अवलोकन करते हुए हमालों से भी बातचीत कर जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी सहकारी समितियों में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन का उपयोग करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने अपने समक्ष धान की तौलाई कर वस्तु स्थिति की जांच की। अग्रवाल ने कहा कि नमी मापने के लिए आधुनिक मॉइश्चराइजर मशीन का उपयोग करें। किसानों को प्रदाय करने वाले टोकन के संबंध में निर्देश दिये कि ऑनलाइन टोकन ही किसानों को जारी किया जाये। उन्होंने धान की बोरी रखने के लिए भुसा या ईट का ड्रेनेज उपयोग करने के सख्त निर्देश दिये। कलेक्टर ने प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन के निर्धारित मापदण्डों के तहत ही धान खरीदी सुनिश्चित किया जाये। अग्रवाल ने धान बेचने मौके पर पहुंचे किसानों का ऋण पुस्तिका का अवलोकन कर उनसे बातचीत कर प्रक्रिया की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि टोकन मिलने के पश्चात धान बेचने आये हैं तथा किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है। धान खरीदी केन्द्र बारूला में आये। आसपास के किसानों ने बताया कि वे समर्थन मूल्य पर धान बिक्री के लिए सात दिवस पूर्व टोकन कटाये थे। यह हमारे के लिए खुशी की बात है कि धान खरीदी के प्रथम दिवस ही हमें अपना धान समर्थन मूल्य पर बेचने का मौका मिल गया। किसानों ने बताया कि वे अपने धानों को साफ-सुथरा एवं सुखाकर लाये है। इस पर कलेक्टर अग्रवाल ने सभी किसानों से अपील की कि वे भी अपने धानों को साफ-सफाई कर एवं सुखाकर धान खरीदी केन्द्रों में बेचने के लिए लाए।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

कांकेर(विश्व परिवार)। बाल दिवस के अवसर पर कांकेर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार ध्रुव शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित विशेष विद्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया। उन्होंने बच्चों को बाल दिवस की बधाई दी और उन्हें चॉकलेट व फल वितरित किया। प्रधान जिला न्यायाधीश ने उपस्थित बच्चों का हालचाल जाना। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य होते हैं हमें बच्चों के स्वास्थ्य शिक्षा एवं उनके विकास के लिए आवश्यक अन्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जिससे कि बच्चे का बेहतर ढंग से मानसिक एवं शारीरिक विकास हो सके और वे बड़े होकर देश के प्रगति व समृद्धि में अपना योगदान दे सके। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी कठिनाइयों को समझने का प्रयास किया तथा बच्चों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को हल करने के लिए शासन और प्रशासन पूरी तरह से समर्पित हैं। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने यह भी बताया कि समाज में समावेशी वातावरण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, ताकि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिल सके।

अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा ने धान खरीदी केंन्द्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

अपर मुख्य सचिव ने धान खरीदी केन्द्रों में पहुंचकर किसानों से चर्चा

किसानों के धान खरीदी पारदर्शिता के साथ करें - ऋचा शर्मा

गरियाबंद(विश्व परिवार)। प्रदेश के किसानों से धान खरीदी योजना राज्य सरकार की सवोच्च प्राथमिकताओं में से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में गुरूवार 14 नवम्बर से धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू की गई है। धान खरीदी के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारी पूर्व से कर ली गई है। आज खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ऋचा शर्मा एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने धान खरीदी केंद्र पाण्डुका और धान संग्रहण केन्द्र कुण्डेलभाठा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों की सुविधा और खरीदी प्रक्रिया की सुचारु व्यवस्था का जायजा लिया। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए उन्होंने किसानों के बैठने, पानी, शौचालय, बारदाना और छाया जैसी आवश्यक सुविधाओं की भी जानकारी ली। साथ ही धान की तौल में पारदर्शिता, फसल की गुणवत्ता की उचित जांच और किसानों के लिए त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान ऋचा शर्मा ने धान बेचने आये किसानों से चर्चा की। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के फीडबैक लिया और कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने पर प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तराजू से धान खरीदने की प्रक्रिया और बायोमेट्रिक व्यवस्था का निरीक्षण किया। शर्मा ने कहा कि यह सुनिश्चित करें की सभी किसानों का बायोमेट्रिक हो, सर्वर डाउन होने की उपस्थिति में अन्य विकल्पों द्वारा किसानों का सत्यापन करें। उन्होंने बारदानों की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा कि जैसे-जैसे धान खरीदी हो बारदाना पर्याप्त मात्रा मे रखें। खाद्य विभाग के अपर मुख्य सचिव शर्मा ने कहा कि जिले में धान खरीदी अच्छे तरीके से हो किसी भी प्रकार की गड़बड़ी ना हो, पंजीकृत किसानों से ही धान खरीदी हो। किसानों की किसी भी प्रकार की तकलीफ ना हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को साफ-सुथरा और सुखे धान लाने की समझाईश दी। किसानों को शासन द्वारा तय किए गए निर्धारित अवधि 72 घंटे के भीतर भुगतान किया जाएगा। हर केन्द्रों में टोल-फ्री नंबर को डिस्प्ले किया जाए, ताकि किसान आवश्यकता पड़ने पर उपयोग कर सकें। निरीक्षण के दौरान शर्मा ने धान खरीदी केन्द्रों में सीसीटीवी, फायर सेफ्टी, कम्प्यूटर, प्रिंटर, सुरक्षा गार्ड रखने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी बिचौलिये से धान खरीदी करने से बचने तथा अवैध खरीदी न हो इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

जिले में जन्म-मृत्यु पंजीयन के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने जिले में चल रहे जन्म-मृत्यु कार्य की समीक्षा करते हुए नवीन सॉफ्टवेयर के माध्यम से समय-सीमा के भीतर शत प्रतिशत पंजीयन एवं शासन से प्राप्त निर्धारित लक्ष्य को पूरा कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार नेताम ने बताया कि वर्तमान में नवीन पोर्टल अनुसार जिले के समस्त 270 पंजीयन इकाईयों ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका एवं समस्त शासकीय अस्पताल में जन्म-मृत्यु पंजीयन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में जन्म-मृत्यु पंजीयन का कार्य जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 संशोधित अधिनियम 2023 एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के तहत् किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक जन्म-मृत्यु की घटना का पंजीयन 21 दिवस के भीतर निशुल्क कराया जा सकता है। उन्होंने आगे विलम्ब पंजीयन प्रकिया से अवगत कराया कि 22वें दिन से 30 दिन के भीतर मात्र 2 रूपये शुल्क देकर पंजीयन कराया जा सकता है। इसी तरह 31वें दिन से 365 दिन अर्थात 1 वर्ष के अंदर पंजीयन कराये जाने पर घर में जन्म या मृत्यु होने पर ग्राम पंचायत के सचिव, अस्पताल में जन्म या मृत्यु होने पर अस्पताल के डॉक्टर, नगर क्षेत्र सीमा में जन्म या मृत्यु होने पर नगर पालिका अधिकारी को सूचना देकर अनुपलब्धता प्रमाण पत्र प्राप्त कर साथ में लाभार्थी द्वारा एएनएम, एमपीडब्ल्यू, हेडमस्टर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र देकर मात्र 5 रूपयें जमा कर पंजीयन करा कर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। इसी क्रम में उन्होने आगे बताया कि 365 दिन अर्थात 1 वर्ष के बाद पंजीयन कराने पर घर में जन्म या मृत्यु होने पर ग्राम पंचायत के सचिव, अस्पताल में जन्म या मृत्यु होने पर अस्पताल के डॉक्टर, नगर क्षेत्र सीमा में जन्म या मृत्यु होने पर नगर पालिका अधिकारी को सूचना देकर अनुपलब्धता प्रमाण पत्र प्राप्त कर साथ में लाभार्थी द्वारा एएनएम, एमपीडब्ल्यू/हेडमस्टर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र देकर तहसील कार्यालय में जमा किया जायेगा और तहसीलदार से आदेश मिलने पर मात्र 10 रूपये शुल्क जमा कर पंजीयन करा कर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। ज्ञात हो कि जन्म के समय शिशु के नाम के बिना भी पंजीयन कराया जा सकता है तथा एक वर्ष के भीतर बच्चे का नाम नि:शुल्क दर्ज कराया जा सकता है।

सीईओ जिला पंचायत ने की विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने दिए निर्देश

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। जिला पंचायत के भूतल स्थित सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्री जयंत नाहटा ने जनपद पंचायत सीईओ,पीओ नरेगा, बीपीएम, बीसी आवास, तकनीकी सहायक, सचिव, आवास मित्र की बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा कर आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ श्री नाहटा ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वर्ष 2023 तक के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण किए जाने कहा। उन्होंने इस दिशा में हर पखवाड़ा 30-40 आवास प्रति ग्राम पंचायत आवास मित्रों का सहयोग लेकर पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। आवास हितग्राहियों के खाता खोलने हेतु पोस्ट ऑफिस से समन्वय स्थापित कर तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। सभी तकनीकी सहायकों को फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नरेगा योजना अंतर्गत एनआरएम कार्यों का प्रस्ताव भेजने कहा। जल शक्ति अभियान का सर्वे कर सिक्योर में इस्टीमेट प्रस्तुत करने तथा मनरेगा लेबर बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही एनएमएमएस में नियमित एन्ट्री करवाने के निर्देशित किया गया।इसके साथ ही उन्होने एनआरएलएम योजना अंतर्गत समूह गठन में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। आजीविका गतिविधियों का समीक्षा किया गया। लोकोस, सीएमएसए में सप्ताहांत तक प्रगति लाने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत स्वच्छता दीदियों से नियमित रूप कचरा संकलन करवाने तथा इन दीदियों का मानदेय नियमित रूप से भुगतान किए जाने हेतु समस्त सचिवों को निर्देशित किया गया।

धान के अवैध परिवहन पर की गई जप्ती की कार्रवाई

मोहला(विश्व परिवार)। कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार खाद्य विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त टीम गठित कर महाराष्ट्र की सीमा से जिले में आने वाले धान परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जांच टीम द्वारा चिल्हाटी में ट्रक क्रमांक सीजी 07 8665 का आकस्मिक जांच किया गया। उक्त ट्रक ड्राइवर श्री कृपा शंकर भारती से पूछताछ किया गया। ड्राइवर द्वारा बताया गया कि ट्रक में धान प्रमोद वाय सोनकर पैडडी ग्रेन मर्चेंट अमोरी जिला गढ़चिरौली महाराष्ट्र से 373 बोरियों में 282.60 क्विंटल कीमत 641502 रुपया का लोड किया गया था। जिसे सचदेव फूड्स प्रोडक्ट रायपुर श्री राकेश खंडेलवाल के यहां छोड़ गया था। छत्तीसगढ़ में खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। उक्त अवधि में अन्य राज्य से छत्तीसगढ़ में धान परिवहन के संबंध में किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण जांच टीम द्वारा उक्त धान को ट्रक सहित जप्त कर थाना चिल्हाटी की अभिरक्षा में रखा गया है। इस मौके पर तहसीलदार श्रीमती अनुरिमा टोप्पो, सहायक खाद्य अधिकारी संजय कौशिक, पुलिस विभाग से श्री आजम शेख द्वारा करवाई किया गया है

कलेक्टर ने किया धान खरीदी केंद्र अंबागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी का आकस्मिक निरीक्षण

अन्नदाता से की चर्चा, फसल उत्पादन की ली जानकारी

मोहला(विश्व परिवार)। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने आज से जिले में हो रही धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लेने धान खरीदी केंद्र अंबागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पहुंचकर आज हुई खरीदी का मुआयना किया। उन्होंने समिति प्रभारी से चर्चा कर पारदर्शिता पूरक धान खरीदी करने और किसानों के साथ सकारात्मक सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि अन्नदाता किसानों का सम्मान करें। किसानों द्वारा लाए गये धान की वास्तविक नाप तौल करें। खरीदी के दौरान नमी मापक मशीन से नमी की जांच करने कहा। धान खरीदी केंद्र स्थल में विशेष साफ-सफाई रखने, सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीदी के दौरान किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी ना हो, यह सुनिश्चित करें। धान विक्रय करने आए किसानों से कलेक्टर ने चर्चा कर उनके द्वारा उत्पादित फसल की जानकारी ली। कलेक्टर ने अन्नदाता किसानों का सम्मान करते हुए कहा कि सभी पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को धान विक्रय के दौरान कोई समस्या आने पर समिति प्रबंधक से मिलकर अपनी समस्या से अवगत कराएं। उन्होंने अंबागढ़ चौकी धान खरीदी केंद्र में धान विक्रय करने आए किसान श्री अमर सिंह से चर्चा कर फसल उत्पादन की जानकारी ली। कलेक्टर ने इस दौरान ग्राम भंसुला में प्रस्तावित धान संग्रहण केंद्र स्थल का मुआयना किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धान संग्रहण के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि आकस्मिक वर्षा होने की दशा में धान के रखरखाव और बचाव के लिए पूर्व से सभी तैयारियां रखें। इस दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी श्री एस एल ठाकुर, जिला खाद्य अधिकारी श्री आशीष रामटेके, जिला विपणन अधिकारी श्री प्रमोद सोम, तहसीलदार श्रीमती अनुरिमा टोप्पो उपस्थित थे।

किसान पारख के लिए धान पैडी ट्रांसप्लांटर बनी मददगार

मशीन से निर्धारित दूरी पर रोपा लगाना हुआ आसान

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कृषि की नवीनतम तकनीक तथा आधुनिक कृषि यंत्रों से खेती-किसानी के कार्यों में आमूलचूल परिवर्तन आए हैं। एक ओर कृषि यंत्रों ने किसानों के लिए कार्य आसान किया है, वहीं फसल उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम केसला के प्रगतिशील किसान पारख दास साहू के लिए धान पैडी ट्रांसप्लांटर कृषि कार्य के बहुत उपयोगी एवं कारगर साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि शासन की योजना के अंतर्गत कृषि विभाग के तहत छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड से धान पैडी ट्रान्सप्लांटर के लिए 4 लाख रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि रोपा लगाने की यह मशीन कुल 9 लाख रूपए की है। यह मशीन बहुत सरल और अच्छी है। इस मशीन के माध्यम से निर्धारित दूरी पर रोपा लगाना आसान हो गया है। वहीं श्रमिक नहीं मिलने पर दिक्कत नहीं होती है और कास्त लागत में कमी आयी है। प्रगतिशील कृषक पारख दास साहू ने बताया कि इस वर्ष धान की बोआई की गई है और उत्पादन भी जोरदार हुआ है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा कि शासन इसी तरह मदद करते रहे तो वह और भी कृषि यंत्र खरीद सकेंगे। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में 26 एकड़ में धान की फसल ले रहे हैं। जिसमें प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की फसल हो रही है और कुल उत्पाद 546 क्विंटल है। जिससे लगभग 16 लाख 92 हजार 600 रूपए तक मुनाफा हो रहा है। जिसमें कास्त लागत 7 लाख 80 हजार रूपए तथा शुद्ध आय लगभग 9 लाख रूपए है। उन्होंने बताया कि रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसल में 9.60 एकड़ में पैडी ट्रांसप्लांटर द्वारा धान की रोपाई की गई है। जिससे 6 लाख 72 हजार रूपए की आय हुई है। उन्होंने बताया कि वे धान के अलावा गेहूं, सरसो एवं साग-भाजी की फसल ले रहे हैं।

सर्वमंगला पुलिस ने अज्ञात बुजुर्ग की पूरे विधि-विधान से किया अंतिम संस्कार

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा अंचल के सर्वमंगला चैकी अंतर्गत बरमपुर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पीछे डंपिंग में बीते दिवस एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला था। सर्वमंगला पुलिस द्वारा मृतक की पहचान हेतु आसपास के इलाकों सहित अलग-अलग जिलों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष माध्यमों से प्रयास किए जा रहा था परंतु आज दिनांक तक मृतक के बारे में की जानकारी नहीं मिली। ऐसे में मृतक की बॉडी डिकंपोज हो रही थी। तब सर्वमंगला पुलिस ने आज मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव का अंतिम संस्कार किया। सर्वमंगला चैकी प्रभारी विभव तिवारी ने मृतक के पोस्टमार्टम उपरांत सर्वमंगला चैकी से मृत बुजुर्ग व्यक्ति का पूरे विधि-विधान से शव यात्रा निकाल कर कफन-दफन किया। इसके अलावा मृतक के पोस्टर्माटम हेतु वाहन व्यवस्था के साथ साथ कफन-दफन सामग्री, फूल माला आदि की व्यवस्था भी की गई। सर्वमंगला पुलिस द्वारा लावारिस शव के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बेहद ही सराहनीय कार्य किया गया। उल्लेखनीय हैं की मृतक गुलाबी रंग का शर्ट और हाफ पेंट पहना हुआ था। पुलिस ने बताया कि मृतक भिक्षु था जो घूम-घूम कर भिक्षा मांगकर अपना पेट भरता था।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 16 नवंबर 2024

व्यापार समाचार

रोशनी के साथ रंग बदलने वाले फ्रेम होंगे आपकी उम्मीद से परे पेश करते हैं ट्रांज़िशन्स द्वारा पावर्ड रे-बैन चेंज

रायपुर। 1937 से रे-बैन 0 इनोवेशन्स के साथ ऐसे आईवियर लाते रहे हैं जो बेहतरीन डिज़ाइन और आधुनिक टेक्नोलॉजी का अनूठा संयोजन हों। इनोवेशन के इसी क्रम को जारी रखते हुए आज ब्राण्ड ने ट्रांज़िशन्स द्वारा पावर्ड लाईट-रिस्पॉन्सिव फ्रेम रे-बैन चेंज का लॉन्च किया है। रे-बेन चेंज रोशनी के अनुसार आपके स्टाइल में शानदार बदलाव लाता है। यह फ्रेम यूवी लाईट के संपर्क में आने पर अपने रंग को बदल लेता है और इस तरह इंडोर और आउटडोर में आपका लुक भी पूरी तरह से बदल जाता है। आपके साथ बदलने के लिए तैयार किया गया रे-बैन चेंज ओरिजिनल वेफेरर और वेफेरर ओवल की तरह अपने अनूठे पिगमेन्ट्स के साथ बेजोड़ ऑप्टिकल स्टाइल देता है। ''रे-बैन निरंतर सीमाओं को पार करते हुए नए ट्रैंड्ज़ लाता रहा है और अपने डिज़ाइन में इनोवेशन को प्राथमिकता देता रहा है। ट्रांज़िशन्स की पावर और इसकी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर ब्राण्ड लाईट-रिस्पॉन्सिव फ्रेम- रे-बैन चेंज के माध्यम से आईवियर का नया अनुभव लेकर आया है।'' फेडेरिको बुफ़्न, चीफ़ मार्केटिंग ऑफ़िसर, एस्सिलोर लक्ज़ोटिका ने कहा। ''हम लैंसेज़ में लीडर, ट्रांज़िशन्स और फ्रेम्स में लीडर रे-बैन को एक डायनामिक प्रोडक्ट के रूप में लेकर आए हैं, जो उपभोक्ताओं को अपने फंक्शनल आईवियर को फैशनेबल बनाने का मौका देता है।'' सैल्युलोज़ एसिटेट की पारम्परिक हस्तनिर्मित कारीगरी और इनोवेशन के संयोजन के साथ रे-बैन चेंज को रोशनी के साथ तालमेल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फ्रेम के अनूठे रंगों ओर पैटर्न को ट्रांज़िशन के फ़ोटोक्रोमिक डाई से तैयार किया गया है जो यूवी लाईट के संपर्क में आते ही तुरंत एक्टिवेट हो जाते हैं। ट्रांज़िशन पिगमेन्ट्स हर आईवियर को अनूठा कैरेक्टर देते हैं। रोशनी बढ़ने के साथ पिगमेन्ट भी गहरा होता चलता जाता है।

ड्यूरोप्लाय ने अपने प्लायवुड प्रोडक्ट्स की रेंज में सुपीरियर कैलिब्रेशन की पेशकश की

रायपुर। भारत की प्रमुख एवं सबसे अनुभवी प्लायवुड कंपनियों में से एक, ड्यूरोप्लाय ने अपने प्लायवुड प्रोडक्ट्स रेंज में सुपीरियर कैलिब्रेशन की पेशकश की है। यह कंपनी हमेशा से नए तरीके खोजती रहती है और अपने ग्राहकों को सबसे अच्छे प्रोडक्ट्स देना चाहती है। इस कंपनी को 68 साल से ज्यादा हो गए हैं और इस दौरान कंपनी ने हमेशा ही बेहतर प्लाईवुड बनाने की कोशिश की है। सुपीरियर कैलिब्रेशन की पेशकश के साथ कंपनी ने दिखा दिया है कि वे हमेशा से बिल्डर्स, आर्किटेक्ट्स और इंटीरियर डिजाइनरों की ज़रूरतों को पूरा करने की कोशिश करते हैं। ड्यूरोप्लाय में मैन्युफैक्चरिंग के प्रेसिडेंट अभिषेक चितलांगिया ने कहा, ''हम ड्यूरोप्लाय की प्लायवुड प्रोडक्ट्स रेंज में सुपीरियर कैलिब्रेटेड प्लायवुड की पेशकश करते हुए उत्साहित हैं। हमारे पास अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये आधुनिक टेक्नोलॉजी है, जो सुनिश्चित करती है कि अंतिम उत्पाद का फ्लैट सरफेस पूरी तरह से फ्लैट होकर ना सिर्फ इंटीरियर्स की खूबसूरती बढ़ाता है बल्कि उन्हें पीढ़ियों तक टिकाऊ बनाए रखता है। ड्यूरोप्लाय के सुपीरियर प्लायवुड की हर शीट का उत्पादन बड़ी सावधानी से किया जाता है, ताकि उनकी मोटाई और सतह बिल्कुल एक जैसी तथा चिकनी रहे। इससे गुणवत्ता की निरंतरता सुनिश्चित होती है और घर, ऑफ़िस तथा कमर्शियल इंटीरियर्स की खूबसूरती, मजबूती एवं टिकाऊपन बढ़ता है।

विश्व सीओपीडी दिवस 2024: बीमारी का पता शुरू में ही लगाने और उसके प्रबंधन के लिए फेफड़ों के स्वास्थ्य को समझना जरूरी

रायपुर। विश्व सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़) दिवस 2024 के भाग के रूप में, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि फेफड़े के स्वास्थ्य और कार्य को जानना महत्वपूर्ण है। यह इस साल की थीम, अपने लंग फंक्शन को जानें के क्रम में है। फेफड़े के कार्य के परीक्षण के महत्व के बारे में बताते हुए डॉ. रोशन सिंह राठौर, कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट, रायपुर ने कहा, सीओपीडी जैसी क्रोनिक श्वसन बीमारी के प्रभावी प्रबंधन और आगे की जटिलताओं को रोकने के लिए बीमारी का शुरू में ही पता चल जाना और उपचार शुरू होना महत्वपूर्ण हैं। स्पाइरोमेट्री, फेफड़े का एक कार्य परीक्षण है जो फेफड़ों द्वारा धारण की जा सकने वाली हवा की मात्रा और आप कितनी जल्दी साँस छोड़ सकते हैं, को मापता है। सीओपीडी के प्रबंधन में जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए रायपुर के एमडी पल्मोनरी (चेस्ट) मेडिसिन डॉ. केदारनाथ देवांगन ने बताया, सीओपीडी प्रबंधन का लक्ष्य रोग की प्रगति को धीमा करना और फेफड़ों की कार्यक्षमता में गिरावट को कम करना है। भारत में 2022 में किए गए एक बड़े बहुकेंद्रीय ग्रामीण आबादी-आधारित अध्ययन के अनुसार सीओपीडी के लगभग दो-तिहाई मामलों का पता नहीं चला है और केवल पाँचवें हिस्से को उचित इनहेलेशन (साँस लेने) का उपचार मिल रहा है, जागरूकता बढ़ाने से जान बच सकती है। ड्यूरोप्लाय का सुपीरियर कैलिब्रेशन प्लायवुड सिर्फ ह 0.4द्वद्व का न्यूनतम वेरियेशन देता है, जो फ्लैट सर्फेस के लिये उद्योग में सर्वश्रेष्ठ फ़िनिश है।

अदाणी ग्रुप अमेरिका में प्रोजेक्ट्स के लिए 10 अरब डॉलर करेगा निवेश

अहमदाबाद(एजेंसी)। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को ऐलान किया है कि ग्रुप अमेरिका में एनर्जी सिक्योरिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में 10 अरब डॉलर निवेश करने का वादा करता है। इससे स्थानीय स्तर पर 15,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गौतम अदाणी ने कहा कि वह अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जीत की एक बार फिर बधाई देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी गहरी होती जा रही है। अदाणी समूह अपनी वैश्विक विशेषज्ञता का लाभ उठाने और अमेरिका की एनर्जी सिक्योरिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले सप्ताह एक्स पर एक पोस्ट में, गौतम अदाणी ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत के लिए ट्रंप को बधाई देते हुए कहा था कि यह देखना आकर्षक है कि अमेरिका का लोकतंत्र अपने लोगों को सशक्त बनाता है।

मोहम्मद शमी का शानदार कमबैक रणजी ट्रॉफी में बिखेरा जादू

इंदौर(एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने करीब एक साल बाद क्रिकेट के मैदान पर दमदार वापसी की है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में यादगार वापसी करते हुए होलकर स्टेडियम में चार विकेट चटकाए जिससे बंगाल ने मध्य प्रदेश पर पहली पारी में बढ़त हासिल की। गुरुवार को 2018 के बाद से अपना पहला रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहे 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपनी क्लास, अनुभव और भरपूर आत्मविश्वास का नजारा दिखाया। उन्होंने 19 ओवर में (4-54) के शानदार स्पैल के साथ बंगाल के लिए अपनी छाप छोड़ी। पहले दिन एक भी विकेट नहीं चटकाने के बाद शमी ने दूसरे दिन जोरदार वापसी की। उन्होंने शुरुआत में ही मध्य प्रदेश के कप्तान शुभम शर्मा को महज आठ रन पर आउट कर दिया। शमी की पार्टनरशिप तोड़ने और लोअर ऑर्डर को ध्वस्त करने की क्षमता पूरी तरह से देखने को मिली। एक खतरनाक स्पैल में उन्होंने सारांश जैन को बोल्ड किया और इसके बाद कुमार कार्तिकेय और कुलवंत खेजरोलिया को भी पवेलियन का रास्ता दिखाया जिससे मेजबान टीम लड़खड़ा गई। अनुभवी तेज गेंदबाज के प्रदर्शन ने बंगाल को पहली पारी के बाद 61 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने में मदद की, जिससे उनके अभियान की शुरुआत हुई। पूरी तरह अपनी लय में नहीं होने के बावजूद, शमी ने लगातार मध्य प्रदेश के बल्लेबाजों को परेशान किया। शमी इस रणजी ट्रॉफी मैच में पांच साल के अंतराल के बाद खेल रहे हैं। बंगाल के लिए उनका आखिरी मैच नवंबर 2018 में केरल के खिलाफ एकमात्र मुकाबला था, जो भारत की ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक 2-1 टेस्ट सीरीज जीत से ठीक पहले था। उस बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान शमी ने 16 विकेट चटकाकर अहम योगदान दिया था। शमी अपनी फिटनेस को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में उनका रणजी में अच्छा प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी का रास्ता साफ कर सकता है।

एटीपी फाइनल्स: ज्वेरेव ने रूड को हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा

ट्यूरिन(एजेंसी)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एटीपी फाइनल्स में अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखा, क्योंकि जर्मन खिलाड़ी ने कैस्पर रूड को 7-6(3), 6-3 से हराकर इस सप्ताह की अपनी दूसरी जीत दर्ज की। हालाँकि रूड अपने शुरुआती मैच में कार्लोस अल्काराज़ को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरे हुए दिखाई दिए, लेकिन ज्वेरेव ने इनाल्पी एरिना में 86 मिनट के प्रदर्शन के साथ नॉर्वेजियन खिलाड़ी को हरा दिया। 2024 में अपने टूर-लीडिंग 68 की जीत के साथ, ज्वेरेव ने जॉन न्यूकॉम्ब ग्रुप में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। रोम और पेरिस चैंपियन

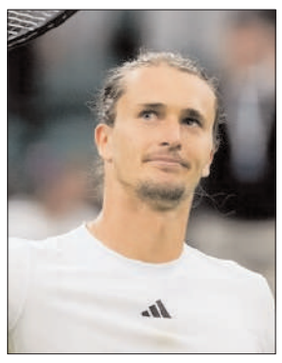

शुक्रवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में अल्काराज़ से भिड़ेंगे, जब वह अपना सेमीफाइनल स्थान सुरक्षित करने की कोशिश करेंगे। ज्वेरेव अपने तीसरे एटीपी फाइनल्स खिताब की तलाश में हैं, इससे पहले उन्होंने 2018 में लंदन और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। ज्वेरेव और रूड एक आकर्षक शुरुआती सेट में बराबरी पर थे, जिसमें कोई ब्रेक पॉइंट नहीं था, लेकिन कई बेहतरीन रैलियां थीं। हालांकि, दूसरे वरीयता प्राप्त जर्मन ने समय पर नियंत्रण हासिल किया, टाई-ब्रेक में 6-1 की बढ़त हासिल की और अंतत: सेट को सुरक्षित किया। दूसरे सेट में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जिसमें रूड ने ज्वेरेव की तेज़ सर्विस और क्रिस्प ग्राउंडस्ट्रोक के खिलाफ़ कड़ी टक्कर दी। जैसे ही मैच एक और टाई-ब्रेक की ओर बढ़ रहा था, ज्वेरेव ने रूड की सर्विस में एक दुर्लभ गिरावट का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण 5-3 की बढ़त हासिल कर ली।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया के लिए खुशखबरी, खत्म हो जाएगी ये परेशानी

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है. न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था और टीम को 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था. इसके बाद से ही ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर टीम इंडिया के फैंस के बीच संशय की स्थिति है. फैंस इस बात को लेकर चिंतित हैं कि भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया में कैसा प्रदर्शन होगा. इस शंका के बीच एक बेहद अच्छी खबर आई है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुनी गई टीम इंडिया स्क्वॉड में फिटनेस की वजह से मोहम्मद शमी को जगह नहीं मिली थी. शमी ने इसके बाद रणजी ट्रॉफी में उन्होंने खेलने का फैसला किया और बंगाल के लिए खेलते हुए अपने पहले ही मैच की पहली पारी में मध्यप्रदेश के खिलाफ 4 विकेट लेकर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित कर दी. रणजी ट्रॉफी में धाकड़ प्रदर्शन के बाद अब बड़ा सवाल ये है कि क्या बीसीसीआई मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय स्क्वॉड में जगह देगा. ऑस्ट्रेलिया गई टीम इंडिया में सिर्फ जसप्रीत बुमराह ही ऐसे हैं जो फिलहाल प्रभावी फॉर्म में हैं. आकाश दीप युवा हैं तो सिराज लंबे समय से आउट ऑफ फॉर्म हैं. ऐसे में अगर इस टीम में शमी की एंट्री हो जाती है तो फिर बुमराह के साथ उनकी जोड़ी ऑस्ट्रेलिया को परेशानी में डाल सकती है. शमी की पेस और स्विंग भारत के लिए बेहद कारगर साबित हो सकती है. बहरहाल, शमी को टीम में शामिल करने का आखिरी फैसला मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा को लेना है. ऑस्ट्रेलिया में शमी ने 8 टेस्ट खेले हैं और 31 विकेट लिए हैं. 56 रन देकर 6 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन है. ओवर ऑल शमी ने अब 64 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें 229 विकेट उनके नाम है.

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने बेंगलुरु में ऊर्जा प्रौद्योगिकी सम्मेलन (ईटीएम) 2024 का उद्घाटन किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी (सीएचटी) द्वारा आयोजित और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल) द्वारा सह-आयोजित ऊर्जा प्रौद्योगिकी सम्मेलन (ईटीएम) 2024 हाल ही में बेंगलुरु में शुरू हुआ, जिसमें उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों को हरित ऊर्जा क्षितिज: सतत शोधन और पेट्रोकेमिकल्स को आगे बढ़ाना विषय के तहत एक साथ लाया गया। 12 से 14 नवंबर 2024 तक चलने वाला यह तीन दिवसीय कार्यक्रम सतत ऊर्जा नवाचारों और हरित ऊर्जा समाधानों की ओर संक्रमण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने ईटीएम-2024 को ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और तकनीकी नवाचार को एक साथ लाने के लिए एक मंच के रूप में स्थापित किया। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भरत द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करते हुए। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए, माननीय मंत्री ने टिप्पणी की कि हमारे देश की ऊर्जा मांग 2047 तक दोगुनी हो जाएगी, और अगले दो दशकों में अकेले भारत से मांग में 25त्न की पर्याप्त वृद्धि होने की उम्मीद है। श्री पुरी ने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) और निजी ऊर्जा कंपनियों की शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनके सक्रिय दृष्टिकोण के लिए सराहना की और इथेनॉल, हाइड्रोजन और जैव ईंधन में प्रगति के माध्यम से प्रधान मंत्री के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए भारत की तत्परता की पुष्टि की। माननीय मंत्री ने भारत की जैव ईंधन उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, यह खुलासा करते हुए कि भारत की वर्तमान जैव ईंधन मिश्रण दर 16.9त्न तक पहुंच गई है, जिससे देश निर्धारित समय से पांच साल पहले 2030 के लिए निर्धारित 20त्न लक्ष्य को पार करने की राह पर है। उन्होंने यह भी कहा कि जैव ईंधन मिश्रण में भारत विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है, जो टिकाऊ ईंधन प्रथाओं में इसकी अग्रणी स्थिति को रेखांकित करता है।

आईपीएल 2025 से पहले आरसीबी के खिलाड़ी का महिपाल धमाल

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए होने वाली नीलामी से पहले सभी खिलाड़ी अपने प्रदर्शन पर ध्यान लगाए हुए हैं. उनका प्रदर्शन ही उन्हें रातों रात करोड़पति बना सकती है. रणजी ट्रॉफी में खेल रहे तमाम खिलाड़ी इसी वजह से प्रदर्शन पर अपना फोकस लगाए हुए हैं. आरसीबी के एक खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक ठोक अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है. हम जिस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं वो हैं महिपाल लोमरोर. आरसीबी के लिए खेल चुके लोमरोर ने राजस्थान की तरफ से खेलते हुए उत्तराखंड के खिलाफ बेहतरीन और विस्फोटक दोहरा शतक लगाया है. महिपाल ने 253 गेंद में 8 छक्के और 18 चौके लगाते हुए नाबाद 200 रन बनाए. वे अभी भी क्रीज पर जमे हुए हैं. महिपाल लोमरोर ने निचले क्रम में आकर आरसीबी के लिए कुछ अच्छी पारियां खेली हैं. लेकिन आईपीएल 2025 के पहले टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था. रणजी ट्रॉफी में लगाए इस तूफानी दोहरे शतक के बाद ऑक्शन में उन्हें बड़ी कीमत मिल सकती है. 24 साल का ये खिलाड़ी एक बेहतरीन बल्लेबाज होने के साथ साथ बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी भी करता है. इसलिए कोई भी टीम लोमरोर पर को अपने साथ जोड़ना चाहेगी. 2018 से आईपीएल खेल रहे महिपाल लोमरोर ने 40 मैचों में 527 रन बनाए हैं.

ओलम्पिक 2024 में 25 भारतीय पदक विजेताओं को एमजी विंडसर के साथ किया गया सम्मानित

रायपुर। ओलम्पिक 2024 में भारतीय दल ने एक सम्मानजनक उपलब्धि हासिल करने में अदम्य साहस दिखाया और भविष्य के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। उनकी इस कड़ी मेहनत और सदैव उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के प्रयासों का सम्मान करने के लिए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने इन स्पोर्ट स्टार्स को नई एमजी विंडसर, जो भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी है, और जिसने भारतीय पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार बाजार में एक बड़ी हलचल मचाई है, देकर सम्मानित किया है। भारत के ओलम्पिक पदक विजेताओं ने भाला फेंक, पिस्टल और राइफल शूटिंग, कुश्ती और हॉकी जैसे विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लिया और पदक जीते। इन प्रतिष्ठित ओलम्पियनों को चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने उन्हें उनकी नई एमजी विंडसर की चाबियां सौंपी। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के डायरेक्टर पार्थ जिंदल, जेएसडब्लयू एमजी मोटर इंडिया के सीईओ एमेरिट्स राजीव छाबा, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मैनेजिंग

डायरेक्टर बीजू बालेंदरन, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चीफ ग्रोथ ऑफ़िसर गौरव गुप्ता, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चीफकमर्शियल ऑफ़िसर सतिंदर सिंह बाजवा और देशभर से आए एमजी के डीलर पार्टनर शामिल थे।

भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी, एमजी विंडसर को अपने लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। बुकिंग शुरू होने के 24 घंटे के भीतर ही इसने 15,000 से ज्यादा एडवांस बुकिंग हासिल की और अक्टूबर महीने में सबसे ज्यादा बिकने वाली पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार बन गई है।

पेड्रो पास्कल का 'ग्लैडिएटर II' के महान निर्देशक के साथ काम करने का सपना पूरा हुआ

पेड्रो पास्कल कई दमदार भूमिकायें निभाने के लिए मशहूर हैं और अब उन्हें बेहद चर्चित फिल्म निर्देशक रिडली स्कॉट के साथ काम करने का मौका मिला है। यह उनके लिए एक किसी सपने के सच होने जैसा है। पास्काल मुश्किल से मुश्किल किरदार में भी इमोशनल टच लाने में माहिर हैं और इस बार वह ग्लैडिएटर द्वद्व में एकैशियस का किरदार निभा रहे हैं। यह किरदार काफी जटिल है और इसके मन में बहुत सारी उलझनें हैं। पास्कल अपनी अदाकारी से इस किरदार को बहुत ही खूबसूरती से पेश कर रहे हैं। पास्कल को ग्लैडिएटर फिल्म बहुत पसंद है और वह इस फिल्म के सीक्वल में काम करके खुश हैं। वे इस फिल्म में एक नई जान फूंकना चाहते हैं। ग्लैडिएटर की दुनिया में कदम रखने के बारे में पास्कल ने कहा- पास्कल कहते हैं कि 'ग्लैडिएटर' जब पहली बार रिलीज हुई थी तब उन्होंने इसे कई बार देखा था। उस निर्देशक के साथ काम करना उनके लिये एक सपने के सच होने जैसा है, जिसकी फिल्मों को वह देखते हुए बड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से रिडली स्कॉट की फिल्में देखता आया हूँ और उनसे बहुत प्रभावित हुआ हूँ। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उनकी किसी फिल्म में काम करूंगा।

इस फिल्म में मेरा किरदार एकैशियस रोमन सेना का नेता है, इसलिए आप उसे खलनायक समझ सकते हैं। लेकिन असल में वह बहुत अच्छा इंसान है क्योंकि उसे पहली फिल्म की पसंदीदा किरदार लुसिला से बहुत प्यार है। यह फिल्म हमें बार-बार हैरान करती रहती है। इस फिल्मक में अपने पसंदीदा किरदार के बारे में पास्कल ने बताया कि वह लुसिला ही है। उन्होंने आगे कहा, मेरे हिसाब से वह सबसे पेचीदा है और हमेशा सबसे ज्यादा स्मार्ट भी रही है। पुरुषों की दुनिया में बने रहने के लिये उसे अपने अस्तित्व को समझना पड़ा है। और मुझे लगता है कि एकेशियस ने उसकी रक्षा करते हुए सबसे सही काम किया है। वह एक सैनिक है, नेता नहीं। सबसे पहले वह लुसिला को बचाता है, फिर रोम को और फिर खुद को।'' जाने-माने निर्देशक रिडली स्?कॉट लेकर आ रहे हैं ग्लैडिएटर द्वद्व, जिसमें प्राचीन रोम की ताकत, बदला और किस्मत दिखाने वाली भयानक दुनिया लौटेगी।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 16 नवम्बर 2024

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर के अवसर पर मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री साय ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारे लोकतंत्र की विशेषता और आधारशिला है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि निष्पक्ष प्रेस और निर्भीक पत्रकारिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। मीडिया नागरिकों को उनके अधिकार और दायित्व के प्रति सचेत कर देशहित व लोकहित के प्रति जागरूक करता है। भारतीय प्रेस दिवस भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस के महत्व और योगदान को याद करने का दिन है।

संक्षिप्त समाचार

कैलाश रारा को विभूति अलंकरण अवार्ड

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की सामाजिक साहित्यिक संस्था वक्ता मंच के द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी श्री कैलाश रारा जी को 'भारत को भारत कहे अभियान' एवं समाज सेवा के क्षेत्र में दीर्घकालीन अनुभव के लिए उन्हें स्वर्गीय बंशीधर शर्मा स्मृति विभूति अलंकरण अवार्ड से सम्मानित किया गया। -**अरिहंत जैन**

प्रदेश कांगेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं किसान राजनीतिज्ञ धनेन्द्र साहू ने मौजूदा सरकार को बताया किसान विरोधी

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांगेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं किसान राजनीतिज्ञ धनेन्द्र साहू ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है

कि विष्णुदेव की भाजपा सरकार के द्वारा प्रदेश के गांव-गांव में कोटवारों से मुनादी करवा कर किसानो को सूचित किया जा रहा है कि रवि फसल में धान की फसल नही बोना है। जो भी किसान धान की फसल लगायेगा उसे 50 हजार जुर्माना किया जावेगा तथा उसका बिजली कनेक्शन काट दिया जायेगा। भाजपा सरकार के द्वारा यह जो लिया गया फैसला एवं तुगलकी फरमान, घोर किसान विरोधी है। इस फैसले का पूरजोर विरोध किया जायेगा। यह कोई ऐसा प्रतिबंधित फसल नही है कि धान जैसे अनाज पर प्रतिबंध लगा दिया जाय। यह कोई गांजा हफीम की खेती नही है। यह अन्न है और अन्न की खेती करने से किसानो को कैसे रोका जा सकता है। धान की खेती, छत्तीसगढ़ के किसानो सहिंत पूरा परिवार की जीवन दायिनी है। छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति और जमीन की संरचना ही ऐसी है कि ज्यादा से ज्यादा धान का ही फसल की उपज ली जा सकती है। इस तुगलकी फरमान को तत्काल ही वापस लेवे। छत्तीसगढ़ के किसान प्रदेश सरकार की रीड की हाड्डी होती। यह विष्णुदेव की भाजपा सरकार यह अच्छा से समझ ले। यदि ऐसे किसानो के साथ अन्याय होगा तो कांग्रेस पार्टी इस फैसले के खिलाफ किसानो को लेकर जबरदस्त आंदोलन किये जाने पर विचार किया जायेगा। क्योकि किसानो में इस फैसले के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त हो रहा है । इससे किसानो को काफी आर्थिक क्षति होगी।

छत्तीसगढ़ की बेटी निशा अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो पर फहराएगी तिरंगा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निशा से कहा- हम तुम्हारा सपना पूरा करेंगे

मुख्यमंत्री के कॉल ने निशा के लिये खोली किलिमंजारो फतह की राह, कहा- आर्थिक तंगी अब सपनों को पूरा करने में बाधा नहीं बनेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। अलसुबह आज बिलासपुर में रहने वाली निशा यादव के पास एक फोन आया और फोन पर एक सौम्य सी आवाज में किसी ने उससे कहा आपको किलिमंजारो चढ़ना है, आप खर्च की चिंता न करें। निशा चकित हुई और आश्चर्य से पूछा आप कौन हैं, सामने से आवाज आई बेटा मैं विष्णु देव साय बोल रहा हूं।

निशा ने आश्चर्यचकित भाव से कहा आप सच में मुख्यमंत्री में बोल रहे हैं। उसे यकीन नहीं हो रहा था, लेकिन जब मुख्यमंत्री ने पूरी बात बताई और कहा कि आप अपने लक्ष्य पर फोकस करें। छत्तीसगढ़ के हर एक बेटी का सपना पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री के स्नेहपूर्ण आश्वासन को सुनकर निशा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। निशा को इस बात पर भी यकीन करना पड़ा मुश्किल हो रहा था कि बिना किसी आवेदन या आग्रह के मुख्यमंत्री ने उनका सपना पूरा करने की पहल की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निशा के साथ पर्वतारोहण के बारे विस्तार से बात की। निशा ने मुख्यमंत्री को यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रूस की चढ़ाई के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया। उसने बताया कि पर्वत की यात्राएं रोमांच से भर देती हैं। पर्वतों की चोटी पर तिरंगा फहराना गर्व से भर देता है। निशा ने आगे बताया कि अब अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो को फतह करना चाहती हैं और उनका अंतिम लक्ष्य माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने का है। निशा ने नम आवाज में मुख्यमंत्री को आगे बताया कि मैं पिछले कई दिनों से सो नहीं पा रही थी। मेरे पिता ऑटो चालक हैं और मेरे सपने को पूरा कर पाना उनके लिए कठिन था। मन में बड़ी दुविधा थी कि यह कैसे संभव हो पाएगा, मेरा सपना कैसे पूरा होगा। आज आप ने मेरी सारी चिंताओं को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री जी मैं आपको बहुत धन्यवाद देती हूं। निशा की आत्मविश्वास भरी इन बातों को सुनकर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को अपनी बेटियों पर गर्व है। हम चाहेंगे कि छत्तीसगढ़ की बेटी माउंट एवरेस्ट पर भी तिरंगा फहराए। उन्होंने कहा कि आर्थिक हालात से हौसले पस्त नहीं होते। उन्होंने निशा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपका आत्मविश्वास और जुनून जरूर आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचाएगी।

सांसद बृजमोहन ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की दी बधाई

गुरुनानक देव जी के बताए रास्ते पर चलकर ही मानव जाति का कल्याण संभव : बृजमोहन

रायपुर (विश्व परिवार)। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सिख धर्म के संस्थापक और पहले गुरु गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी। श्री बृजमोहन अग्रवाल राजधानी के कचहरी चौक स्थित खालसा स्कूल में आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के सामने मत्था टेक कर आशिर्वाद लिए साथ ही अमृत रूपी शबद कीर्तन सुना। श्री अग्रवाल ने कहा कि, गुरुनानक देव जी के त्याग, तपस्या, सेवा के बताए रास्ते पर चलकर ही मानव जाति का कल्याण संभव और देश दुनिया में शांति और खुशहाली आएगी। उन्होंने सिख धर्म के सेवा भाव की प्रशंसा की और दूसरों से भी इसका अनुसरण करने को कहा। उन्होंने सिख गुरुओं के बलिदान को याद किया। और कहा कि, आज भी सिख समाज गुरु ग्रंथ को ही अपना गुरु मानते हुए मानव सेवा में लगा है जो दुनिया में एक मिसाल है। बृजमोहन अग्रवाल ने यहां लंगर में प्रसाद भी ग्रहण किया। और सेवादारों के साथ सेवा दी।

श्री विनोद जैन (कोयला वाला) परिवार द्वारा श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन, 1024 अर्घ किए समर्पित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। नगर के मध्य क्रांति नगर स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से श्रीमंत सेठ विनोद जैन श्रीमती रंजना जैन (कोयला वाले) परिवार द्वारा संपन्न कराया जा रहा है।

विगत 8 नवंबर से प्रारंभ हुए इस महा धार्मिक अनुष्ठान में आज भगवान की आराधना करते हुए 1024 अर्घो का समर्पण किया गया। इस आयोजन में कोयला परिवार के सगे संबंधियों सहित लगभग 500 धर्मावलंबियों द्वारा विधान में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया जा रहा है।

विधान के आयोजन में ललितपुर से पधारे विद्वान बाल. ब्र. मनोज भैया ललितपुर एवं विद्वान श्री मधुर भैया ललितपुर द्वारा विधान का कार्य विधिपूर्वक संपन्न कराया जा रहा है।

विधान में उत्साह पूर्वक भगवान का स्मरण कर श्रीफल अर्घ का समर्पण किया जा रहा है।

संगीत मय स्वर लहरियों के मध्य उत्साह पूर्वक इंद्र इंद्राणी नृत्य कर भाव विभोर हो भगवान की भक्ति कर आनंद ले रहे हैं।

आयोजन कर्ता परिवार श्री विनोद जैन (कोयला वाले) श्रीमती रंजना जैन, डा. विशाल जैन डॉ. रिशु जैन, श्रीमती वर्षा श्री अभिषेक जैन, श्री विकास श्रीमती अंकिता जैन द्वारा सभी आगत जनों का स्वागत किया गया। कल विधान के अंतिम दिन पूजन अनुष्ठान के साथ समापन होगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का महत्वपूर्ण नागपुर-रायपुर-बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन होगा कवच सुरक्षा तकनीक के दायरे में

नागपुर झारसुगुडा रेलखंड (614 रूट किलोमीटर) में कवच प्रणाली लागू करने हेतु निविदा जारी

इस ऑटोमैटिक तकनीक के जरिए अब दो ट्रेनों के बीच आमने-सामने की टक्कर से बचाव सुनिश्चित होगी

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर से झारसुगुड़ा रेलखंड (614 रूट किलोमीटर) के हाई डेंसिटी नेटवर्क मार्ग पर कवच प्रणाली लागू करने के लिए निविदा आमंत्रित की है। इस परियोजना का अनुमानित मूल्य 292 करोड़ रुपये है। निविदा 25 नवंबर 2024 को खोली जाएगी। इस परियोजना के अंतर्गत- स्टेशन कवच उपकरणों की स्थापना, भवनों का निर्माण, टावरों की स्थापना, ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाने का प्रावधान आदि कार्य शामिल होंगे।

इसके साथ ही, लो डेंसिटी नेटवर्क के लिए 1563 रूट किलोमीटर क्षेत्र में कवच प्रणाली लागू करने हेतु विस्तृत इस्टीमेट को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस खंड में निविदा आमंत्रण की प्रक्रिया जारी है और निविदा कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

कवच प्रणाली भारतीय रेलवे की एक उन्नत संरक्षा तकनीक है जो ट्रेन संचालन को संरक्षित और कुशल बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसका उद्देश्य दुर्घटनाओं को रोकना और रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

भारतीय रेलवे ने चलती हुई ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवच नामक एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन) प्रणाली विकसित की है। यह पूर्ण रूप से स्वदेशी तकनीक है और ट्रेनों के संचालन की हर पल निगरानी करती है। यह प्रणाली सिग्नल एवं स्पीड से संबन्धित दुर्घटनाओं को रोकने में पूर्णतया सक्षम है।

इस प्रणाली में पूरे सेक्शन में विश्वसनीय वायरलेस कम्यूनिकेशन स्थापित किया जाता है तथा सभी स्टेशनों व सभी इंजिनों में डिवाइस लगाई जाती है जिससे ट्रेन का इंजिन सम्पूर्ण ट्रैक में लगे हुए रेडियो फ्रिक्वेन्सी टैग द्वारा ट्रैक व सिग्नल से संबन्धित विवरण प्राप्त करता है। इंजिन में स्थित डिवाइस (लोको यूनिट) स्टेशन के इंटरलाकिंग सिस्टम, सिग्नल के निर्देश और समपार फाटकों से विवरण लेती है और कंप्यूटरीकृत प्रणाली के निर्देशानुसार ट्रेन का संचालन सुरक्षित गति से करती है। अर्थात ट्रेन की गति सिग्नल की स्थिति-पोजीशन के साथ इंटरलॉक होती है।

'कवच' प्रणाली दवारा ऑटोमैटिक तकनीक के जरिए अब दो गाड़ियों के बीच आमने-सामने से टक्कर नहीं होगी। खास बात ये है कि इस तकनीक को देश में तैयार किया गया है। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा मार्च 2022 में कवच सुरक्षा तकनीक का सफल जीवंत परीक्षण दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में लिंगमपल्ली-विकाराबाद खंड पर गुल्लागुडा-चिटगिड्डा रेलवे स्टेशनों के बीच किया गया था। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों और कर्मचारियों की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस महत्वपूर्ण परियोजना को लागू कर रहा है।

श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रम विभाग द्वारा 16 नवंबर को दोपहर 12 बजे राजीव गांधी ऑडिटोरियम ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि होंगे। श्रमिक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत 13 योजनाओं के 82,973 श्रमिकों को 45 करोड़ 40 लाख 20 हजार 993 रूपए डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। इसी तरह छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 153 श्रमिकों को 20,33,000 की राशि, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मण्डल अंतर्गत 1900 श्रमिकों को 01 करोड़ की राशि से लाभान्वित किया जाएगा। सम्मेलन में कुल 85026 हितग्राहियों को 46,60,53,993 रु. की राशि से लाभान्वित किया जाएगा। सम्मेलन में कोरबा जिले सहित अन्य जिलों के हितग्राही भी शामिल होंगे। सम्मेलन में निर्माण श्रमिको के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशी योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना आदि से लाभान्वित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 का शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने किया

रायपुर (विश्व परिवार)। शहर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी (टाउन हॉल)में आज शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती सफीरा साहू, विधाशरण तिवारी, एमआईसी सदस्य यशवर्धन राव, योगेंद्र पांडे, आलोक अवस्थी, नरसिंह राव, निर्मल पाणिग्रही, वरिष्ठ पार्षद संजय पांडे, दिगंबर राव, त्रिवेणी रंधारी, ममता पोटाई, आयुक्त निर्भय कुमार साहू उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 हितग्राही सर्वेक्षण कार्य के शुभारंभ अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में सभी वर्गों को पक्के मकान देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसी तारतम्य में आज प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 का शुभारंभ किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है, इस योजना का प्रमुख उद्देश्य देश में गरीब वर्ग के लोगों को पक्का व सर्व सुविधायुक्त आवास मिले। यह कल्याणकारी योजना पूरे देश भर के लिए बनाई गई है, जिसमें सभी वर्ग इस योजना का लाभ ले रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी को प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए धन्यवाद। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 जिसका आज शुभारंभ किया गया है इसमें नियम में कुछ बदलाव किए गए हैं जिससे आप सभी हितग्राहियों का इसका लाभ मिल सके। आज से हितग्राहियों का पंजीयन का शुभारंभ हुआ है सभी हितग्राहियों को हमारी ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं। इस योजना के लाभ के लिए शहर के सभी वार्डों में शिविर लगाया जाएगा। साथ ही श्री देव ने कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरु नानक जयंती की भी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। वही महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक ले। वही प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 योजना के विषय में आयुक्त श्री निर्भय कुमार साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि आज से शहर के 48 वार्डों में 2 दिसंबर 2024 तक का शिविर लगाया जाएगा। शासन द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार हितग्राही पंजीकरण कर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के शुभारंभ पर पंजीयन किये हितग्राहियों का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव एवं अन्य तिथियां के द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस दौरान प्रभारी कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज उप अभियंता अमर सिंह कश्यप दीपांशु देवांगन एवं निगम के अधिकारी व कर्मचारी व हितग्राही उपस्थित थे।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ई.टी.ई.टी-2024 का सफलता पूर्वक समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) में अभियांत्रिकी संकाय के तत्वाधान से इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में उभरते रुझान (ETET-2024) पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 250 से अधिक देश-विदेश के विद्यार्थी और शोधार्थी ने पेपर और मेनुस्क्रिप्ट प्रस्तुत किए एवं विशेषज्ञों ने हाइब्रिड मोड के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित किया।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफ़ेसर टी. एन. सिंह, निदेशक, आईआईटी पटना एवं प्रोफ़ेसर पी. के. मिश्रा, आईआईटी (बी.एच.यू) शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात सह-संयोजक द्वारा स्वागत उद्बोधन के माध्यम से सम्मेलन के विषय में विस्तार पूर्वक महत्वपूर्ण तथ्यों को साझा किया गया।

अपने उद्बोधन में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी. के. मिश्रा ने इंजीनियरिंग की पीढ़ियों,

पारिस्थितिक एवं पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना अनुभव साझा किया। साथ ही साथ उन्होंने रोबोटिक्स और स्वचालन, सॉफ्ट स्किल्स, ग्रीन एवं डिजिटल स्किल्स और कम्युनिकेशन स्किल्स जैसे प्रमुख बिंदुओं पर भी प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया।

मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर टी.एन सिंह ने केमिकल इंजीनियरिंग, जियो केमिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग में अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने वैश्विक व्यवस्था और पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुल पांच तकनिकी सेशन में मुख्य वक्ताओ ने प्रतिभागियों के समक्ष अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए और संबंधित समन्वयक द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से पेपर प्रस्तुत किए गए। समापन समरोह में मंचासीन अतिथियों ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान पर कांफ्रेंस की पत्रिका का भी विमोचन किया। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने अभियांत्रिकी संकाय द्वारा सफल अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के आयोजन की शुभकामनाएं दी और मंचासीन मुख्य अतिथियो का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह से स्वागत किया।

टेक्निकल सेशन के समापन के पश्चात कांफ्रेंस के सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें विभिन्न लोकनृत्य व गायन की प्रस्तुति दी गई। अंत में मंचासीन मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने बेस्ट पेपर एवं बेस्ट मेनुस्क्रिप्ट के विजेताओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात कांफ्रेंस के सह-संयोजक डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक एवं डीन एकेडमिक प्रोफेसर आर. आर. एल. बिराली ने आयोजन समिति, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354